असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है। बाढ़ से 29 जिलों के 21.13 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। प्रदेश में अधिकांश प्रमुख नदियों में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:204 दिनांक:05-07-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

टीम इंडिया ने पीएम नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। बता दें के टीम इंडिया को स्पेशल विमान से भारत लाया गया क्योंकि बारबाडोस में हरीकैन तूफान के कारण टीम इंडिया वहां फंस गई थी।

शेयर बाजार ने बनाया नया रिकार्ड , सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के ऊपर पहुंचा

निफ़्टी भी बढ़त के साथ 24,304 पर रहा

मुम्बई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी जबरदस्त तेजी रही और बाजार ने नये रिकार्ड बनाते हुए पहली बार 80 हजार का आंकड़ा पारी किया। गत दिवस भी बाजार 80 हजार के ऊपर पहुंचा था पर बाद में फिसल गया था। बाजार में ये उछाल एशियाई व दुनिया भर के अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 62.87 अंक करीब 0.08 फीसदी बढ़कर 80,049.67 अंक के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 17.55 अंक तकरीबन 0.07 फीसदी बढ़कर 24,304.05 अंक तक पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा आज 2.69 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, टीसीएस, इन्फोसिस और कोटक बैंक के शेयर भी बढ़े।

वहीं दूसरी ओर एचडीएफ़सी बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 2.26 प्रतिशत नीचे आया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एलऐंडटी, टेक महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स के शेयर भी गिरे हैं। आज सुबह से ही एशियाई बाजारों में बढ़त देखी गयी। जापान के निक्केई में 0.21 फीसदी की तेजी आई जबकि ताइवान वेटेड में 1.33फीसदी और कोरिया के कोस्पी में 0.59फीसदी की तेजी रही है। हैंगसेंग 0.43फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि शंघाई कंपोजिट में 0.16फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। दूसरी ओर गत दिवस अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। डाओ जोंस 23.85 (0.06फीसदी) अंक चढ़कर 39,308 पर बंद हुआ। वहीं नेसडेक 159.54 (0.88फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 18,188 के लेवल पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 28.01 (0.51फीसदी) अंक बढ़कर 5,537 पर बंद हुआ।

इससे पहले कल बुधवार को सेंसेक्स ने 80,074 और निफ्टी ने 24,307 का स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे आ गया था।

वहीं आज सुबह बाजार की शानदार तेजी के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 80,300 के स्तर को पार कर लिया, जबकि निफ्टी50 ने 24,350 के स्तर को पार किया। बीएसई सूचकांक 80,331 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा और शुरुआती सौदों में 225 अंक की बढ़त के साथ 80,212 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर निफ्टी50 ने 24,372 का नया उच्चतम स्तर छूआ और 69 अंक की बढ़त के साथ 24,356 पर कारोबार करता दिखा।

हिमाचल में 115 सड़कों पर आवाजाही ठप, बिजली गुल......दो दिन भारी बारिश का अलर्ट

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश के कई भागों में भारी बारिश दर्ज हुई है। इससे कई जगह भूस्खलन व मलबा आ जाने से सड़कों पर आवाजाही भी प्रभावित हुई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 115 सड़कों पर आवाजाही ठप थी। सबसे ज्यादा सड़कें मंडी जिले में बाधित हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में 212 बिजली ट्रांसफार्मर भी बाधित हैं। गाद आने से 17 जल आपूर्ति योजनाएं भी ठप हुई हैं। शिमला सहित प्रदेश के अन्य भागों में झमाझम बारिश हुई। सुंदरनगर में 110.9, पालमपुर 109.4, बग्गी 84.6, शिमला 84.0, गोहर 80.0, सोलन 79.8, मशोबरा 78.5, जोगिंदरनगर 75.0 और बैजनाथ में 70.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

वहीं मंडी जिले के सुंदरनगर में देर रात से हो रही बारिश के कारण कुछ सड़क मार्ग पूरी तरह से बंद हो गए हैं। उपमंडल अधिकारी नागरिक सुंदरनगर गिरिश समरा ने कहा कि सलापड़-सेराकोठी मार्ग, पंडार-तातापानी मार्ग, मलोह-कटेरु मार्ग, खुराहल-कंदार मार्ग, कटेरू-सलापड़-पोड़ाकोठी मार्ग, कांगू-किंदर मार्ग, सलापड़-तातापानी मार्ग पूरी तरह से बंद है। वहीं, सरकाघाट-मसेरन सड़क मसेरन गलू के पास भूस्खलन के कारण बाधित है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से राज्य के कई भागों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। 6 से 10 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट है।

ब्राजील में भयावक बाढ़ से 180 लोगों की मौत

साओ पाउलो (ईएमएस)। ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में कई हफ्ते से बाढ़ का कहर जारी है। बाढ़ से कम से कम 180 लोगों की मौत हो गई है और 32 लोग लापता बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रियो ग्रांडे डो सुल में 29 अप्रैल को मूसलाधार बारिश शुरू हुई और कई दिनों तक जारी रही। इसके कारण पूरे राज्य के शहर जलमग्न हो गए। जून के मध्य में बाढ़ कम होने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू हुआ।

रिपोर्ट में कहा कि खराब मौसम के कारण राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे सहित 478 शहरों के लगभग 2,398,255 निवासी प्रभावित हुए हैं। साथ ही 450,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सामाजिक संचार सचिव पाउलो पिमेन्टा के मुताबिक, ब्राजील सरकार ने रियो ग्रांडे डो सुल के पुनर्निर्माण के लिए 85.7 बिलियन रियल (लगभग 15.4 बिलियन डॉलर) आवंटित किए हैं।

किरोड़ीलाल मीणा का मंत्री पद से इस्तीफा

बोले- संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं, अपनी बात से नहीं मुकर सकता

जयपुर(ईएमएस)। राजस्थान के कृषि मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। आज एक धार्मिक कार्यक्रम में एक प्राइवेट चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने इसकी जानकारी दी। मीणा ने कहा वे दो दिन से दिल्ली में थे। उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री ने बातचीत के लिए बुलाया था, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। मीणा ने कहा कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। मैंने इस्तीफा देने का कहा था, इसलिए मुकर नहीं सकता।

दरअसल, किरोड़ीलाल मीणा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि उन्हें जिन सीटों की जिम्मेदारी मिली है अगर वो हारते हैं तो इस्तीफा दे देंगे। नतीजों के बाद मीणा पर इस्तीफा देने का दबाव था। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा था कि मीणा पीछे नहीं हटेंगे, इस्तीफा जरूर देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से मिली भारतीय टीम ने बताये विश्वकप के अनुभव

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 विश्वकप जीत कर लौटी भारतीय क्रिकेट टीम ने स्वदेश पहुंचने के बाद सबसे पहले प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने टीम को नाश्ते पर आमंत्रित किया था। कप्तान रोहित शर्मा सहित टीम जब प्रधानमंत्री से मिलने के लिए पीएम हाउस पहुंची तो वह बेहद खुश नजर आयी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान खिलाड़ियों से विश्वकप को लेकर उनके अनुभवों को जाना। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से पूछा कि उनका फाइनल मैच और अंतिम ओवर को लेकर अनुभव कैसा रहा। इसका एक वीडियो भी सामने आया है।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद भारतीय टीम मुंबई रवाना होगी, जहां बीसीसीआई ने नरीमन प्वाइंट से वानखेड़े तक एक किलोमीटर की विजय परेड का कार्यक्रम रखा है। इसके बाद, विजेता टीम को वानखेड़े स्टेडियम में सम्मानित भी किया जाएगा। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी क्योंकि इसमें बड़ी तादाद में प्रशंसक शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप 2023 की फाइनल की हार से निराश प्रशंसकों के टी20 विश्वकप की जीत और भी अहम हो गयी है। इसी कारण देश 29 जून 2024 की रात देश भर में जमकर आतिशबाजी हुई थी। हर भारतीय इस जीत के जश्न में डूबा हुआ था, और अब जब भारतीय टीम ट्रॉफी के साथ घर लौटी है तो उसमें खो जाना चाहता है।

मुंबई की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, वानखेड़े में गूंजा वर्ल्ड चैंपियंस का नारा

नई दिल्ली। 17 साल बाद टी20 वर्ल्ड कप जीतकर लौटी टीम इंडिया का भारत में ऐतिहासिक स्वागत हुआ। 29 जून को बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को फाइनल में मात देने के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने देश को दूसरा टी20 वर्ल्ड कप दिलाया। इसके बाद आज टीम इंडिया भारत लौटी। इस वर्ल्ड चैंपियन टीम का मुंबई में जोरदार स्वागत किया गया। वानखेड़े स्टेडियम में टीम इंडिया का सम्मान समारोह रखा गया था जहां बीसीसीआई ने इस टीम को 125 करोड़ रुपये की रकम देकर सम्मानित किया।

इस दौरान पूरा वानखेड़े स्टेडियम खचाखचा भरा हुआ था। साल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जब टीम इंडिया ने पहला टी20 वर्ल्ड कप जीता था तब भी कुछ ऐसा ही नजारा था,लेकिन उस समय एयरपोर्ट के बाहर से भी लोगों की भीड़ जमा हो गई थी और टीम इंडिया ओपन बस में वानखेड़े पहुंची थी जिसमें उसे काफी समय लगा था। इस बार हालांकि टीम इंडिया की ओपन बस में विक्ट्री परेड नरीमन प्वाइंट से स्टेडियम तक ही रखी गई थी।

टीम इंडिया आज सुबह तकरीबन 6:30 बजे नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर उतरी। यहां से टीम इंडिया अपने होटल आईटीसी मोर्या गई। वहां रुकने और ब्रेकफास्ट करने के बाद टीम इंडिया ने पीएम नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। बता दें के टीम इंडिया को स्पेशल विमान से भारत लाया गया क्योंकि बारबाडोस में हरीकैन तूफान के कारण टीम इंडिया वहां फंस गई थी। ऐसे में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने विशेष विमान की व्यवस्था की और टीम इंडिया को लेकर आए।

पीएम से मिलने के बाद टीम इंडिया ने मुंबई के लिए उड़ान भरी। शाम को मुंबई पहुंचने के बाद टीम इंडिया बस में सवार हुई और नरीमन प्वाइंट पहुंची। यहां से टीम इंडिया ओपन बस में सवार होकर वानखेड़े स्टेडियम पहुंची। इस बीच मुंबई की सड़कों पर लोगों का हुजूम था। हजारों लोग अपने स्टार खिलाड़ियों और विश्व चैंपियन टीम की झलक पाने के लिए तरस रहे थे। इस दौरान टीम के खिलाड़ियों ने फैंस को निराश नहीं किया। टी20 वर्ल्ड कप जीतकर लौटी टीम इंडिया का देश में जोरदार स्वागत हुआ है। खिलाड़ियों ने फैंस का अभिवादन स्वीकार किया।

टीम इंडिया फिर स्टेडियम पहुंची और पहुंचने के बाद टीम के खिलाड़ियों ने जमकर डांस किया। फिर बीसीसीआई ने सपोर्ट स्टाफ को सम्मानित किया। इसके बाद रोहित शर्मा,राहुल द्रविड़, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को स्पीच के लिए बुलाया गया। कोहली ने अपनी स्पीच में खासतौर पर जसप्रीत बुमराह का जिक्र किया और उनके लिए स्टेडियम में तालियां बजवाईं। इसके बाद बीसीसीआई ने टीम इंडिया को 125 करोड़ रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। टीम इंडिया ने फिर पूरे स्टेडियम का चक्कर लगाया और भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी ऑटोग्राफ वाली गेंदें स्टैंड में फैंस की तरफ फेंकी।

असम में बाढ़ से अब तक 52 लोगों की मौत, 21 लाख से ज्यादा प्रभावित;अरुणाचल में भी स्थिति गंभीर

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है। बाढ़ से 29 जिलों के 21.13 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। प्रदेश में अधिकांश प्रमुख नदियों में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है। सोनितपुर जिले में दो जबकि मोरीगांव, डिब्रूगढ़, दरांग, गोलाघाट, बिस्वनाथ और तिनसुकिया जिले में एक-एक व्यक्ति की जान गई।

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित जिलों में 515 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां करीब 3.86 लाख लोग शरण लिए हुए हैं। बाढ़ का पानी घरों में घुसने के बाद कई बाढ़ प्रभावित लोग सुरक्षित स्थानों, ऊंची स्थलों, स्कूल भवनों, सड़कों और पुलों पर शरण ले रहे हैं। इस बीच, असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ के पानी में 11 जानवर डूब गए हैं, जबकि 65 अन्य जानवरों को बचा लिया गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएम) की बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, दो जुलाई को तिनसुकिया जिले में दो लोगों की मौत हो गई जबकि धेमाजी जिले में एक व्यक्ति की जान चली गई।

मंगलवार को राज्य में बाढ़ की स्थिति और भी गंभीर हो गई, बाढ़ के पानी ने 42,476.18 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को जलमग्न कर दिया है। इस बाढ़ में कुल 2800 गांव प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर नेमाटी घाट, तेजपुर, गुवाहाटी और धुबरी में खतरे के निशान से ऊपर है। इसके अलावा प्रदेश में अन्य नदियां भी उफान पर हैं और खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

इस बीच स्थानीय प्रशासन, सेना, अर्धसैनिक बल, एसडीआरएफ की बचाव टीमें कई जगहों पर बचाव कार्य में लगी हुई हैं और मंगलवार को विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों से करीब 2,900 लोगों को बचाया गया। प्रशासन ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच 10754.98 क्विंटल चावल, 1958.89 उक्विंटल दाल, 554.91 क्विंटल नमक और 23061.44 लीटर सरसों का तेल वितरित किया और मवेशियों को चारा भी उपलब्ध कराया। एएसडीएमए बाढ़ रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ से 11,20,165 जानवर भी प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के पानी ने 100 सड़कों, 14 पुलों और 11 तटबंधों को नुकसान पहुंचाया।

मुकदमा चलाने में देरी के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए को कड़ी फटकार लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नकली करेंसी के एक मामले में मुकदमा चलाने में देरी के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि त्वरित सुनवाई का संवैधानिक अधिकार कथित अपराध की गंभीरता पर निर्भर नहीं कर सकता है। एनआईए की वजह से आरोपी को बिना सुनवाई के चार साल तक जेल में रहना पड़ा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और उज्ज्वल भुयान की पीठ ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत कथित अपराध की गंभीरता के बावजूद त्वरित सुनवाई के संवैधानिक अधिकार पर जोर दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने मामले में आरोपी को जमानत दे दी।

कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, ''आप एनआईए हैं। कृपया न्याय का मजाक न उड़ाएं। चार साल हो गए हैं, और मुकदमा शुरू नहीं हुआ है। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। आरोपी ने जो भी अपराध किया है, उसे त्वरित सुनवाई का अधिकार है।'' आदेश में कहा गया है, चाहे कोई भी गंभीर अपराध हो, आरोपी को भारत के संविधान के तहत सुनवाई का अधिकार है। हम आश्वस्त हैं कि जिस तरह से अदालत और एजेंसी ने इस मामले में कार्यवाही की है, उससे सुनवाई के अधिकार को झटका लगा है, जिससे अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हुआ है।

कोर्ट फरवरी 2024 के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें जावेद गुलाम नबी शेख को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उसे 2020 में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके पास से कथित तौर पर पाकिस्तान से आए नकली नोट बरामद हुए थे। बाद में एनआईए को केस सौंप दी गई थी। बुधवार को कार्यवाही की शुरुआत में, पीठ ने मुकदमे में देरी की आलोचना की। कोर्ट ने एनआईए से मामले में अपना जवाबी हलफनामा प्रस्तुत करने के लिए बार-बार समय मांगकर न्याय का मजाक उड़ाने के बजाय त्वरित सुनवाई के अधिकार को बनाने का आदेश दिया है।

हेमंत सोरेन फिर बने झारखंड के मुख्यमंत्री

-राजभवन में ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

रांची,,(ईएमएस)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। आज गुरुवार शाम 5 बजे उन्होंने राजभवन पहुंच झारखंड के मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णान ने हेमंत सोरेन को शपथ दिलाई।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन आज गरुवार शाम 5 बजे राजभवन पहुंच झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णान ने हेमंत सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई है। गौरतलब है कि हेमंत सोरेन हाल ही में जेल से जमानत पर रिहा हुए हैं।

उन्होंने बाहर आते ही मुख्यमंत्री बनने के लिए जरुरी कार्रवाई की और जैसा कि पहले कहा जा रहा था कि वो 7 जुलाई को शपथ लेंगे, लेकिन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा सूबे में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद हेमंत सोरेन ने आज ही शपथ ले ली है। दरअसल जेएमएम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने फैसला लिया कि हेमंत सोरेन गुरुवार यानी आज ही शपथ लेंगे।

विशेष लोक अदालत में सुलझेंगे पुराने लंबित मामले, सुप्रीम कोर्ट की पहल

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट अपनी स्थापना के 75वें वर्ष में पुराने मामलों को सुलझाने की पहल की है। इसके तहत सुप्रीम निःशुल्क विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। इस दौरान जनहित से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई की जाएगी। लोक अदालत का आयोजन 29 जुलाई से तीन अगस्त तक किया जाएगा। आम लोग इस लोक अदालत का लाभ उठा सकेंगे। यह विशेष लोक अदालत इसलिए है ताकि उपयुक्त लंबित मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जा सके। इस अदालत में देश भर के सभी आवेदक जिनके मुकदमें विभिन्न अदालतों में लंबित हैं, ई मेल से अपने दस्तावेज भेजकर फैसला पा सकते हैं। ई मेल में केस का विवरण और वकील या स्वयं केस लड़ रहे हैं तो उसका विवरण भेज सकते हैं। देश का संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था और सुप्रीम कोर्ट उसी तिथि से अस्तित्व में आया था।

शीर्ष अदालत ने प्रेस को जारी के बयान में बताया, लोक अदालतें इस देश की न्यायिक प्रणाली का अभिन्न अंग हैं, जो सौहार्दपूर्ण समाधान में तेजी लाने और उसे प्रोत्साहित करने के एक साधन के रूप में विवादों के वैकल्पिक समाधान को बढ़ावा देती हैं।

इन मामलों पर होगी सुनवाई

शीर्ष अदालत के बयान में आगे कहा गया है कि आगामी लोक अदालत का आयोजन समाज के सभी वर्गों को सुलभ और कुशल न्याय प्रदान करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। लोक अदालत में निपटारे की संभावना वाले उन मामलों पर सुनवाई की जाएगी जो सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित हैं, ताकि उनका त्वरित निपटान सुनिश्चित किया जा सके। ऐसे मामलों में वैवाहिक और संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम से संबंधित मामले शामिल हैं।

कोलकाता से भी ज्यादा तप रहा.......श्रीनगर

श्रीनगर (ईएमएस)। भारत के कई राज्यों में मॉनसून ने दस्तक दे दी है, मगर उत्तर भारत के कई राज्यों में अभी भी भीषण गर्मी का कहर जारी है। इसतरह कश्मीर की घाटियों में भी तापमान लगातार अधिक हो रहा है। कश्मीर घाटी में इन दिनों भीषण गर्मी हो रही है। श्रीनगर में दूसरे दिन मौसम का सर्वाधिक तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इससे शहर कोलकाता से भी अधिक गर्म हो गया, जहां अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। 35.6ओ सेल्सियस तापमान न केवल सामान्य से छह डिग्री अधिक था, बल्कि 25 वर्षों में जुलाई का सबसे अधिक तापमान था। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 35.6ओ सेल्सियस दर्ज किया गया। 1999 के बाद से श्रीनगर में जुलाई का यह शीर्ष तापमान है, जब 9 जुलाई को अधिकतम तापमान 37.ओ सेल्सियस तक पहुंच गया था।

मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने कहा, अब तक का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस 10 जुलाई 1946 को दर्ज हुआ था। परंपरागत रूप से, जुलाई और अगस्त को गर्मियों का सबसे गर्म महीना माना जाता है। स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में भी दिन का तापमान सामान्य से 5.2 डिग्री अधिक 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पहलगाम में भी अधिकतम तापमान 5.5 डिग्री अधिक 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू भी 36.6 डिग्री सेल्सियस के साथ गर्म रहा, जबकि लद्दाख के लेह में अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मप्र, छग, राजस्थान में मानसून ने पकड़ा जोर, जबलपुर-उमरिया में बारिश हुई,

भोपाल समेत 14 जिलों में अलर्ट, इंदौर-उज्जैन में आंधी चलेगी

भोपाल (ईएमएस)। मप्र, छग, राजस्थान में मानसून ने पूरी तरह जोर पकड़ लिया है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से पूरा प्रदेश भीग रहा है। मप्र में गुरुवार को जबलपुर, उमरिया, भिंड और सागर में बारिश हुई। उमरिया में सुबह से ही तेज पानी गिर रहा है। भोपाल, शिवपुरी सहित 14 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन-जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश का दौर जारी रहेगा। वहीं रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर संभाग के जिलों में जमकर बारिश हो रही है। उधर, बीकानेर, भरतपुर, भिवाड़ी में भारी बारिश के कारण घर-सडक़ें डूब गई हैं। उधर, मौसम विभाग ने तीनों प्रदेशों में बिजली गिरने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मप्र में आकाशीय बिजली मौत का तांडव मचाएगी।

आंकड़े बताते हैं कि आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं देश के बाकी राज्यों की तुलना में मप्र में सबसे ज्यादा हुई है। प्रदेश में हर दिन औसतन 2500 से ज्यादा बार बिजली गिरती है यानी हर 1 घंटे में 107 बार आसमान से जानलेवा आफत बरसती है। वहीं बिजली गिरने से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी देश में होने वाली कुल मौतों का 20 फीसदी है। भारत में आकाशीय बिजली की वजह से हर साल होने वाली मौत के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में आकाशीय बिजली गिरने से हर साल करीब 2500 से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। देश में आकाशीय बिजली गिरने की करीब 96 प्रतिशत घटनाएं ग्रामीण इलाकों में होती हैं।

पिछले 5 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2024 तक आकाश से जमीन पर बिजली गिरने आंकड़ा 62 फीसदी बढ़ा है। वर्ष 2019 में 5,91,838 बार बिजली गिरी वहीं 2022 में ये आंकड़ा 9,41,663 तक पहुंच गया। 2021 से 2022 के बीच इसमें सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। 2023-24 में अब तक 6 लाख से ज्यादा बार लाइटनिंग स्ट्राइक हुई है ।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की दिसंबर 2023 में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत में प्राकृतिक कारणों से होने वाली आकस्मिक मौतों में 35.8 प्रतिशत घटनाएं आकाशीय बिजली की वजह से हुईं। मप्र इसमें अव्वल है। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि पिछले 5 से 6 सालों का आंकड़ा देखें तो वज्रपात की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रमुख वजह ये है कि थंडर स्टॉर्म के दिन बढ़ रहे हैं। थंडर स्टॉर्म का लाइफ साइकिल 2 घंटे से बढक़र 4 से 5 घंटे तक हो गया है। मौसम वैज्ञानिक ग्लोबल और स्थानीय स्तर पर इसके तीन प्रमुख कारण गिनाते हैं। पहला अटलांटिक महासागर में गर्मी बढऩे से पश्चिमी विक्षोभ की संख्या बढ़ गई है। पहले औसत 4 से 5 पश्चिमी विक्षोभ होते थे, उनकी संख्या बढक़र 9 से ज्यादा हो गई है। दूसरा हिंद महासागर में भी गर्मी बढऩे के कारण ज्यादा नमी बन रही है और तीसरा बंगाल की खाड़ी में प्रतिचक्रवात बढऩा भी इसकी बड़ी वजह है।

जलवायु रेजिलिएंट अवलोकन प्रणाली संवर्धन परिषद के आंकड़ों के अनुसार साल 2023 में एमपी में 9 लाख 41 हजार बार बिजली गिरी है। इसमें करीब 496 लोगों की मौत हुई। आकाशीय बिजली से होने वाली मौतों मे सबसे बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों मे रहने वाले लोगों की होती हैं। इसमें भी 80 प्रतिशत मौतें किसानों की हुई है, क्योंकि सबसे ज्यादा 75 प्रतिशत बिजली ग्रामीण क्षेत्रों में ही गिरती है वहीं शहरी इलाकों मे ये आंकड़ा 25 प्रतिशत है। मरने वालों मे सबसे ज्यादा 79 प्रतिशत पुरुष वहीं 21 फीसदी महिलाएं होती हैं। इसके अलावा उम्र के लिहाज से देखा जाए तो कुल मौतों मे 62 प्रतिशत वयस्क ओर 38 फीसदी बच्चे होते हैं।

2001 से लेकर 2024 तक पिछले 23 सालों में मध्यप्रदेश मे आसमानी बिजली से 9000 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा 639 मौतें साल 2016 में हुई। 2001 से बिजली गिरने से होने वाली मौतों का आंकड़ा 43 फीसदी बढ़ चुका है। पिछले साल लाइटनिंग स्ट्राइक से 496 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही अगर पशुओं की बात करें तो हर वर्ष करीब 3000 जानवरों की मृत्यु बिजली गिरने से हो जाती है इसमें गाय, भेंस बकरी जैसे पालतू जानवर शामिल हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि वर्तमान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से एमपी में भी स्ट्रॉन्ग सिस्टम है। इस वजह से पूरे प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। कहीं, तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। अगले कुछ दिन तक यह सिस्टम एक्टिव रहेगा।

सारण में 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल गिरा

सारण (ईएमएस)। सारण में पुल ध्वस्त होने का सिलसिला जारी है। 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल ध्वस्त हो गया। बनियापुर के दो पंचायतों सरेया और सतुआ को जोडऩे वाला पुल अनियमितता का भेंट गया है। दोनों पंचायतों के दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह पुल सतुआ पंचायत और सरैया पंचायत को जोडऩे वाला मुख्य पुल था। पुल के दोनों तरफ ग्रामीण खेती करते हैं। साथ ही इंटर कॉलेज होने के चलते सरेया के छात्र छात्राओं को विद्यालय जाने के लिए एकमात्र यही सहारा था। पुल टूटने और नदी में पानी होने से लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना होगा। हादसे के बाद सारण के डीएम ने कहा कि जिले में इन छोटे पुलों के ढहने का कारण जानने के लिए उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया गया है।

हाथरस हादसे में पहला एक्शन, आयोजन कमेटी से जुड़े 6 लोग गिरफ्तार

हाथरस(ईएमएस)। हाथरस हादसे में पुलिस ने पूछताछ के बाद 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस एक्शन की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि जिन आरोपियों को अरेस्ट किया है वह आयोजन समिति के मेंबर हैं। बता दें कि सूरजपाल उर्फ भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के सत्संग के बाद भगदड़ मच गई थी, इसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी। मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर पर 1 लाख का इनाम रखा गया है। उन्होंने कहा कि हादसे में 121 लोगों की मौत हुई थी। सभी की पहचान हो चुकी है। आईजी ने कहा कि आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गए थे।

बाबा सूरजपाल उर्फ भोले बाबा की आर्मी के चर्चे अब हर जगह हो रहे हैं। बाबा के पास सेवादारों की लंबी-चौड़ी फौज तो है ही, साथ ही बाबा की एक स्पेशल महिला ब्लैक कमांडो ब्रिगेड भी है, जो बाबा की सेवा और सिक्योरिटी मैनेजमेंट में रहती है। इसे गोपिका यूनिट कहा जाता है, जिसमें महिलाएं शामिल होती हैं। इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वर्दी में बाबा की महिला कमांडो नजर आ रही हैं।

सूरजपाल उर्फ भोले बाबा की इस आर्मी की धाक हर प्रोग्राम में कुछ ऐसी चलती थी कि कोई भी शख्स मोबाइल फोन नहीं चला सकता था। ये आर्मी प्रोग्राम में पुलिस को दाखिल नहीं होने देती थी। बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी प्रेसवार्ता के दौरान बाबा की आर्मी का जिक्र करते हुए कहा था कि ये लोग प्रशासन को प्रोग्राम में अनुमति नहीं देते थे। खुद ही अपना क्राउड मैनेजमेंट चलाते हैं।

हर सत्संग में ये महिला ब्लैक कमांडोज ब्रिगेड नजर आती है। इन महिला कमांडोज के साथ कुछ और महिलाएं भी सुरक्षा में तैनात की जाती हैं। भीड़ को मैनेज करना, पानी, भोजन से लेकर ट्रैफिक की व्यवस्था सुचारु रूप से चले, ये सब काम समिति के सेवादार और महिला कमांडो ब्रिगेड करती है। बाबा 24 घंटे ब्लैक कमांडोज से घिरा रहता है। ऐसा भी कहा जाता है कि बाबा ने अपने आश्रम में एक गुप्त कमरा भी बना रखा है। बाबा के सिक्योरिटी अधिकारियों को कोर्ड वर्ड दिए गए हैं। बाबा की सुरक्षा में लगे हरेक सुरक्षा दस्ते की अलग-अलग ड्रेस कोड है।

बाबा के दस्तों के नाम नारायणी सेना, गरुड़ योद्धा और हरि वाहक हैं। बताया जाता है कि नारायणी सेना के सुरक्षा गार्ड गुलाबी रंग की पोशाक पहनते हैं। गरुड़ सेना काली ड्रेस पहनती है। इन्हें ही ब्लैक कमांडो कहा जाता है। हरि वाहक दस्ते के सुरक्षा गार्ड भूरे रंग की ड्रेस पहनते हैं। ब्लैक कमांडो दस्ता बाबा के काफिले के साथ चलता है। नारायणी सेना में 50, जबकि हरिवाहक सेना की टुकड़ी में 25 से 30 सिक्योरिटी अधिकारी होते हैं। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल के आसपास बाबा के सेवादार सफेद रंग की पोशाक में भी होते हैं। हरेक दस्ते में महिलाएं और पुरुष दोनों सुरक्षा अधिकारी के तौर पर तैनात रहते हैं। जहां बाबा का सत्संग होता है, उसके आसपास (बाहर) ये सेना तैनात होती है। इसके अलावा ये सेना सत्संग के अंदर भी तैनात होती है। बाबा के आसपास भी ब्लैक कमांडोज तैनात रहते हैं, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। बाबा के पास कई लग्जरी कारें हैं। कहां आयोजन होगा, कितने लोग आएंगे, वो कहां बैठेंगे, अंदर प्रवेश करने, बैठने और वापस जाने तक का मैनेजमेंट बाबा की आर्मी संभालती है। बाबा की फौज पुलिस के साथ सहयोग करती है। हर मंगलवार को होने वाले कार्यक्रम की पूरी कमान यही सेवादार संभालते हैं। सेवादार देश से आने वाले श्रद्धालुओं के पानी, भोजन से लेकर ट्रैफिक की व्यवस्था करते हैं।

बहादुरनगर में 30 बीघा जमीन पर सूरजपाल उर्फ भोले बाबा का आश्रम है तो पांच बीघा में अनुयायी विश्राम गृह बना है। जहां भी कथा का आयोजन होता है, वहां मैदान की सफाई का कार्य महिला सेवादारों के द्वारा किया जाता है, लेकिन महिला सेवादार और महिला कमांडो के कामों में अंतर है। पुरुष हाथों में बैंत लेकर और सीटी बजाते हुए परिवहन और सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करते हैं।

जन हितैषी

भारतीय शेयर बाजार ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

भारतीय शेयर बाजार ने विश्व में तेजी का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इसके पहले किसी भी देश के शेयर बाजार में इस तरह की तेजी देखने को नहीं मिली। भारतीय शेयर बाजार ने ऐतिहासिक तेजी के चलते 80000 के स्तर को पार कर लिया है। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 1 दिन के अंदर 632.85 अंक की तेजी आई। शेयर बाजार का सेंसेक्स 80074 पर पहुंच गया। हालांकि कुछ ही देर के बाद इसमें 545 अंकों की गिरावट आई। भारत के शेयर बाजारों में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। सट्टे बाजार के विशेषज्ञों का कहना है, कि सट्टा बाजार का स्थान अब शेयर बाजार ने ले लिया है। जिस तरह से शेयर बाजार में कृत्रिम तरीके से कंपनी के शेयरों में तेजी बनाई जा रही है। उसने सट्टा बाजार को भी पीछे छोड़ दिया है। जिस तरह धारणाओं के आधार पर सट्टेबाजी होती है। शेयर बाजार भी कल्पनाओं के सहारे तेज घोड़े पर दौड़ रहा है। 2024 में अभी तक सेंसेक्स 10.7 फ़ीसदी और निफ्टी में 11.76 फ़ीसदी की तेजी आई है। विदेशी निवेशकों ने हाल ही में भारतीय शेयर बाजार में बांड में निवेश शुरू किया है। विदेशी निवेशकों ने 924 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। उसके बाद आंधी और तूफान की तरह भारतीय शेयर बाजार आसमान को छू रहा है। शेयर बाजार के सटोरियों का कहना है, कि इस साल के अंत तक शेयर बाजार 87000 के स्तर को छू लेगा। शेयर बाजारों में जिस तरीके की तेजी देखने को मिल रही है। शेयरों का जिस तरीके से मूल्यांकन हो रहा है। उससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पंजीकरण 5.33 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। शेयर बाजार का सेंसेक्स 70000 से 80000 तक पहुंचने में मात्र 138 कारोबारी दिन लगे। 11 दिसंबर 2023 को पहली बार 70000 के स्तर पर शेयर बाजार पहुंचा था। 60000 से 70000 तक पहुंचने में 548 दिन का समय लगा था। 75000 से 80000 के स्तर पर पहुंचने के लिए मात्र 57 दिन का समय लगा। इस बार विदेशी निवेशकों के निवेश को आधार बनाकर शेयर बाजार हवा में उड़ रहा है। इसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है। 20000 से 30000 के स्तर पर पहुंचने के लिए 1820 दिन का समय लगा था। 30000 से 40000 के स्तर पर पहुंचने के लिए 1042 दिन का समय लगा। 40000 से 50000 के स्तर पर पहुंचने में 415 दिन का समय लगा था। उसके बाद से हवा की तरह तेज गति से शेयर बाजार चढ़ता ही जा रहा है। 50000 से 60000 तक पहुंचने में मात्र 166 दिन का समय लगा। 60000 से 70000 के स्तर पर पहुंचने के लिए 548 दिन का समय लगा था। 70000 से 80000 के स्तर पर पहुंचने के लिए मात्र 138 दिन का समय लगा। जिस तरह से भारत की आर्थिक स्थितियां हैं, उसे देखते हुए यह तेजी सभी को आश्चर्य में डाल रही है। एक बार फिर निवेशकों को हर्षद मेहता घोटाले की याद आने लगी है। 16 साल में भारत में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है। शेयर बाजार 16 साल पहले 8800 स्तर पर था। वह 9 गुना बढ़कर 80000 के स्तर पर पहुंच गया। शेयर बाजार के तेजडिए इस साल के अंत तक सेंसेक्स 87000 के स्तर पर पहुंचने की बात कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजारों में जिस तरीके की कृत्रिम तेजी बनाई जा रही है, उसको लेकर न केवल भारत के निवेशक बल्कि दुनिया के निवेशक शंकाभरी निगाह से देखने लगे हैं। हिडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सारी दुनिया के देशों में भारतीय कॉर्पोरेट कंपनियों को लेकर शंका जाहिर की जा रही है। वर्तमान तेजी ने वैश्विक स्तर पर निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। भारत में जिस तरह की महंगाई, बेरोजगारी और निर्यात के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके इस तरह की तेजी सभी को हैरान कर रही है। शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन को लेकर निवेशकों में अब चिंता और घबराहट है। राजनीतिक अस्थिरता के चलते कभी भी शेयर बाजार ढह सकता है। जिस तरह से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और 30 शेयरों वाले समूह द्वारा कृत्रिम रूप से शेयर बाजार की तेजी को बढ़ाया जा रहा है। बाजार नियामक आयोग सेबी का नियंत्रण कॉर्पोरेट कंपनियों और शेयर बाजारों में जिस तरह का होना चाहिए था, उसको लेकर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। निवेशकों की चिंता का यह सबसे बड़ा कारण है। फिर भी भारतीय शेयर बाजार ने एक विश्व रिकॉर्ड तो बना ही लिया है।

बाबाओं का मायाजाल...

उत्तर प्रदेश के हाथरस में नारायण साकार हरि नाम के बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई औ एफसीर दर्जनों घायल हैं। हादसा गीली मिट्टी में बाबा जी के पांव छूने के लिए दौड़े लोगों को हटाकर बाबा के लिए रास्ता बना रहे सेवादारों के कारण हुआ। सत्संग जहां 80 हजार की अनुमति के बावजूद ढाई लाख से ज्यादा लोग पहुंचे थे , का अनुभव पलक झपकते त्रासदी में बदल गया । संवेदना जताना और पीड़ितों की मदद तो दूर बाबा फरार हो गया। किसी जमाने में सरकारी नौकरी के दौरा छेड़खानी जैसे मामले में निलंबन झेल चुका बाबा खुद को सुदर्शन चक्र धारी भगवान कृष्ण बताकर अधर्म के विनाश का दावा करता था।

धार्मिक आयोजनों में भगदड़ की ऐसी घटनाओं का अपना इतिहास है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2000 से 2013 तक की अवधि में ही इनमें लगभग 2,000 लोग मारे गए। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन द्वारा प्रकाशित अध्ययन बताता है कि भारत में 79 फीसदी भगदड़ धार्मिक सभाओं और आयोजनों के कारण होती हैं जिनके प्रमुख कारण हैं निकलने का संकरा रास्ता होना ,क्षमता से अधिक लोगों की भीड़ पर नियंत्रण के उपायों का अभाव और खराब तरीके से चुना गया कार्यक्रम स्थल।

आयोजनों में भीड़ की सुरक्षा की जिम्मेदारी आयोजकों और प्रशासन की मानी जाती है। ऐसे आयोजनों की अनुमति के प्रमुख आधार हैंः निकास की समुचित व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन के उपाय और आग जैसी संभावित आपदाओं से निपटने की व्यवस्था । मगर सब जानते हैं कि सारी कार्यवाही महज औपचारिकता है। सामान्यतः आयोजन छोटे मैदानों और यहां तक कि सड़कों तक को घेरकर आयोजित किए जाते हैं। अग्नि प्रबंधन तो छोड़िए, प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं तक नहीं रहतीं। भीड़ प्रबंधन गैर अनुभवी अप्रशिक्षित कार्यकर्ता संभालते हैं।

हादसों के शुरुआती ट्रिगर अफ़वाह फैलना, फिसल जाना. संकरी जगह में घबराए हुए लोगों का एक-दूसरे को धक्का देना जैसे कारण होते हैं। बुनियादी ढांचे की कमी से भीड़ का व्यवहार और भी खराब हो जाता है। घबराहट में हर दिमाग में यह अलार्म बजता है कि कोई खतरा है। लोग यह भी नहीं सोचते कि खतरा वास्तविक है या नहीं और क्या यह उन्हें प्रभावित करेगा ? अपने और अपने परिवार के बारे में चिंतित हर व्यक्ति स्वार्थी हो जाता है और बाकी सभी को सिर्फ़ वस्तु और बाधा के रूप में देखता है। हादसों का शिकार ज्यादातर पारिवारिक धुरी का आधार महिलाएं बनती हैं। भागदौड़ में वह शारीरिक तौर पर उतनी मजबूत नहीं होतीं। साड़ी का सामान्य पहनावा भागने में रुकावट बनता है। घबराहट भी तुरंत बढ़ती है जो हृदयाघात और दम घुटने का कारण बनता है।

गहरी आस्थाओं वाले भारतीय हिन्दू समाज की धार्मिक गतिविधियां पहले धर्मस्थलों और तीर्थ यात्राओं तक सीमित थी। सत्संग और भजन कीर्तन जैसे समारोह मुख्यतः मंदिरों और प्रमुख धार्मिक त्यौहारों तक सीमित रहते थे। सहजता ऐसी थी कि रामलीला जैसी धार्मिक गतिविधियां भी मनोरंजन के दायरे में आती थीं। मगर पिछले बीस पच्चीस सालों में सहज धार्मिक गतिविधियों ने संगठित व्यावसायिक स्वरूप धारण कर लिया है। संत महात्माओं के रूप में खड़े हुए बाबा चमत्कार के नाम पर आवश्यक व्यवस्थाओं को ताक पर रखकर लाखों की भीड़ जुटाने लगते हैं जो ऐसे आयोजनों की टीआरपी है। हर बात को विशुद्ध वोट बैंक के आधार पर आंकने वाली राजनीति इसका फायदा उठाना चाहती है सो ज्यादा भीड़ जुटाने वाले बाबा महत्वपूर्ण हो जाते हैं और उनके आयोजनों को अनुमति देने के मामले में प्रक्रिया ताक पर रख दी जाती है। कुछ मामलों में तो ऐसे बाबा राजनीतिक दलों द्वारा समाज के वर्ग विशेष का वोट साधने के लिए बाकायदा प्रायोजित नजर आते हैं। टैक्स फ्री सुविधा वाले इस विशुद्ध व्यावसायिक कर्मकांड से अचानक करोड़ पति बने लोकप्रियता के रथ पर सवार भगवान का गुण गाने वाले महात्मा खुद को भगवान मानने लगते हैं। स्वयं को सर्वज्ञ समझकर धार्मिक मान्यताओं के मनचाही व्याख्या की पृवृति इस हद तक पहुंच जाती हैं कि उनके और पारंपरिक संत समाज में टकराव की स्थितियां बनती हैं। राधारानी विवाद के बाद सीहोर के पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा संत संगठनों के दबाव में बरसाना जाकर नाक रगड़ कर माफी मांगने की घटना ताजा प्रमाण है।

हाथरस हादसे की जांच के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, जो खुद भी एक निर्विवाद पारंपरिक संत हैं, द्वारा सर्वकालीन तात्कालिक उपाय की तर्ज़ पर एस आई टी गठित हो गई है । बुल्डोजर बाहर निकलने की खबरें आ रही हैं । मगर स्व. दुष्यंत कुमार के शब्दों में कहें तो : तफ़सील में जाने से ऐसा तो नहीं लगता, हालात के नक्शे में कुछ रद्दो बदल होगी। दीर्घकालीन उपायों की गंभीरता कहीं नहीं दिखती। अनुमति से अधिक भीड़ न जुटे और लोगों के निकास के समुचित रास्ते मौजूद हों, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी थी। क्या इस चूक के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान स्थापित कर उनके खिलाफ भी कार्यवाही होगी ? पुलिस बल की कमी किसी से छिपी नहीं है, ऐसे में अनुमति और व्यवस्थाओं पर तो नजर रखी जा सकती थी। लोगों की असावधानी पर ही सारा ठीकरा फोड़ना ठीक नहीं है। जरूरत है कि ऐसे आयोजनों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत कानून के माध्यम से लागू किए जाएं जिसमें आयोजकों समेत प्रशासकीय जिम्मेदारी भी निर्धारित हो। मगर जिस व्यवस्था में बाबाओं को उनकी भीड़ जुटाने की क्षमता देखकर राजनैतिक प्रश्रय और प्रशासकीय महत्व मिलता हो वहां ऐसी अपेक्षा ज्यादा सार्थक नहीं है। इसलिए उचित होगा कि सहज सीधा आम आदमी अपनी जान की जिम्मेदारी खुद ही संभाले। (लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

आगामी पांच वर्षों में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दुगना

पूरे विश्व में विभिन्न देशों के शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने के सम्बंध में विदेशी निवेशक संस्थानों को सलाह देने वाले एक बड़े संस्थान मोर्गन स्टैनली ने हाल ही में अनुमान लगाया है कि बहुत सम्भव है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे आने वाले 5 वर्षों में दुगना हो जाए।

आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचूअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है। अब, जब भारत में कई कम्पनियां अपनी विस्तार योजनाओं को लागू करने जा रही हैं अतः इन कम्पनियों के द्वारा नए शेयर, बाजार में जारी किए जाएंगे, जिन्हें खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे।

वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401ख योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है।

भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, को कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ भी अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यतः शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अतः भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

भारत के नागरिकों की जेब में सीधे पैसे डालने के बजाय सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने में सरकार ने नागरिकों की भरपूर मदद की है, जैसे 3 करोड़ से अधिक मकान बनाकर गरीब वर्ग को उपलब्ध कराए गए हैं, ग्रामीण इलाकों सहित घरों में पानी उपलब्ध कराया गया है, 95 प्रतिशत से अधिक गावों में बिजली उपलब्ध कराई गई है, लगभग सभी घरों में गैस उपलब्ध कराई गई है, सड़क मार्ग विकसित किए गए हैं, गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खोले गए, आदि। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और वे कम बीमार पड़ने लगे हैं, उनके स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्चे कम हुए हैं और उनकी बचत बढ़ी है। कुल मिलाकर यह साइकल बहुत अच्छे तरीके से अपना काम करता दिखाई दे रहा है। सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने का कार्य अभी भी जारी है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस सबका यह परिणाम भी हुआ है कि देश में पिछले 10 वर्षों में गरीबी आधी रह गई है और इसे शून्य पर लाने के लिए कार्य जारी है।

भारत में उत्पादों के निर्माण में आधारभूत संरचना से सबंधित लागत बहुत अधिक है। इस पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है, इससे उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। हालांकि भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बहुत काम हुआ है। नए नए रोड बने हैं, रेल्वे का विकास हुआ है (रेल्वे का लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है), पोर्ट का विकास हो रहा है, नए एयर पोर्ट का निर्माण हुआ है, परंतु अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष हैं। वर्ष 2015 ने भारत में मालगड़ियां औसतन लगभग 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती थीं। अब वह औसतन लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं और आगे आने वाले 5 वर्षों में यह और आगे बढ़कर औसतन लगभग 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगेगी। इससे सबसे बड़ा लाभ उद्योग जगत को हुआ है, क्योंकि अब उन्हें कच्चे माल का स्टॉक कम मात्रा में रखना पड़ता है और इससे अंततः उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की लागत कम हुई है।

पिछले कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगातार कम होती रही थे अथवा स्थिर हो गई थी। परंतु, अब यह स्थिति भी बदलती जा रही है और आने वाले 5 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ने जा रही है। इसके परिणाम कई क्षेत्रों जैसे सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल्वे, फार्मा, औटोमोबाइल, ड्रोन निर्माण, सेमी कंडक्टर, फूड प्रासेसिंग, एयरो स्पेस, आदि में दिखाई भी देने लगे हैं।

भारत शेयर बाजार पूंजीकरण की दृष्टि से विश्व में आज अमेरिका, चीन, जापान, हांगकांग के बाद 5वें स्थान पर है। तीसरे स्थान पर शीघ्र ही आ सकता है। आगामी 10 वर्षों में बहुत सम्भव है कि भारत दूसरे स्थान पर भी आ जाए क्योंकि चीन और जापान के आर्थिक क्षेत्र में जिस प्रकार की समस्याएं दिखाई देने लगी हैं, इससे अमेरिका के बाद भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ सकता है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से विश्व में भारत तीसरे स्थान पर ही आ पाएगा। वर्तमान में भारत के शेयर बाजार का पूंजीकरण लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही हो पाया है।

आगे आने वाले लगभग 10 वर्षों में भारत में 10 करोड़ नागरिक गरीबी से निकलकर मध्यम वर्गीय परिवार बन सकते हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 45 करोड़ हो जाएगी। जबकि हाई नेटवर्थ नागरिकों की संख्या 50 लाख के आस पास ही है। इससे नागरिकों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों की खपत भी बढ़ेगी। सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होने से गरीबी कम होती है। परंतु, महंगाई एवं विकास दर में संतुलन होना भी आवश्यक है। यदि मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है तो यह गरीब वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करती है अतः विकास दर को कम रखने का प्रयास किया जाता है ताकि महंगाई की दर को कम किया जा सके। इसी नियम को विश्व के कई देश लागू कर रहे हैं इसीलिए वैश्विक स्तर पर विकास दर भी कम हो रही है। परंतु भारत में महंगाई की दर को नियंत्रण में रखने में सफलता मिली है इसीलिए भारत की विकास दर भी 7 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। हालांकि यदि महंगाई को यदि और अधिक नियंत्रण में (लगभग 3 प्रतिशत) लाया जा सके तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 से 9 प्रतिशत तक जा सकती है। भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में किसी प्रकार की जोखिम दिखाई नहीं दे रही है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में होने वाली समस्याओं के चलते ही हो सकती है। (लेखक- प्रहलाद सबनानी/ ईएमएस)

झूठ और सच के बीच झूलती संसद

अठरहवीं संसद का पहला सत्र हालाँकि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया है ,लेकिन देश ने देखा कि नयी संसद भी पुरानी संसदों की तरह झूठ और सच के बीच झूल रही है। संसद में यदि सदन के नेता सच नहीं बोल रहे तो विपक्ष के नेता भी झूठ का सहारा ले रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की गलतबयानी को सेना ने शहीद अग्निवीरों की दी जाने वाली आर्थिक सहायता देने वाले बयानों ने उजागर कर दिया है।

भारतीय संसद की कार्रवाई का जबसे टीवी पर सीधा प्रसारण शुरू हुआ है तब से शायद ऐसा कोई भी मौक़ा होगा जब मैंने उसे न देखा हो। मै लगातार देख रहा हूँ कि संसद में लगातार झूठ बोलने की परम्परा चल पड़ी है। न सरकार झूठ बोलने से हिचकती है और न विपक्ष। सरकार को तो कदम-कदम पर झूठ का सहारा लेना पड़ता है। झूठ सुनने और कहने के लिए अभिशप्त देश की संसद आखिर करे तो क्या करे ? संसद में झूठ बोलना क़ानून और संसदीय प्रक्रिया के तहत अपराध है । संसद में झूठ बोलना संसद के विशेषाधिकार का दुरूपयोग भी है और हनन भी,लेकिन अभी तक इस क़ानून और व्यवस्था के तहत न किसी प्रधानमंत्री को और न किसी मंत्री को और न किसी विपक्षी नेता को दण्डित किया गया और न शायद किया जा सकेगा।

मुझे याद है कि कोविडकाल में कैसे तबके स्वास्थ्य मंत्री ने देश में कोविड से हुई मौतों, आक्सीजन की उपलब्धता और दवाओं की कमी के बारे में सफेद झूठ बोला था ,लेकिन विपक्ष कुछ नहीं कर पाया। इसी तरह विपक्ष के अनेक नेता झूठ का सहारा लेकर सरकार पर वार करते आये हैं किन्तु किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी ,क्योंकि सभी तो इस मामले में मौसेरे भाई है। इस मामले में मीडिया भी कम नहीं है। मीडिया ने भी संसद में सरकार और विपक्ष के झूठ को न कभी पकड़ने की कोशिश की और न उसे उजागर करने का कभी कोई भी जोखिम लिया ।

लोग पूरी बेशर्मी से झूठ बोलते हैं। झूठ का सहारा लिए बिना न संसद चल रही है और न देश। झूठ किसी भी पक्ष का हो उसे पकड़ने के लिए,उजागर करने के लिए श्रम करना पड़ता है ,लेकिन कोई ये तकलीफ उठाने के लिए तैयार नहीं है। देश और दुनिया ने देखा कि पिछले दिनों आम चुनाव के दौरान सरकार ने कितने बड़े-बड़े सफेद झूठों का सहारा लिया ,बावजूद स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर पायी। यही हाल विपक्ष का हुआ,उसे भी सत्ता से मीलों दूर ठिठक जाना पड़ा,क्योंकि आखिर झूठ तो झूठ होता है। झूठ के पांव नहीं होते। आखिर झूठ कितना दौड़ सकता है ?

बकौल गूगल गुरु -झूठ एक असत्य बयान के रूप में दिया गया एक प्रकार का धोखा है , जो विशेष रूप से किसी को धोखा देने की मंशा से बोला जाता है। प्रायः झूठ का उद्देश्य होता है किसी राज़ या प्रतिष्ठा को बरकरार रखना, किसी की भावनाओं की रक्षा करना या सजा या किसी के द्वारा किए गए कार्य की प्रतिक्रिया से बचना। झूठ बोलने का तात्पर्य कुछ ऐसा कहने से होता है जो व्यक्ति जानता है कि गलत है या जिसकी सत्यता पर व्यक्ति ईमानदारी से विश्वास नहीं करता और यह इस इरादे से कहा जाता है कि व्यक्ति उसे सत्य मानेगा. एक झूठा व्यक्ति ऐसा व्यक्ति है जो झूठ बोल रहा है, जो पहले झूठ बोल चुका है, या जो आवश्यकता ना होने पर भी आदतन झूठ बोलता रहता है।

हमारे पृथक बुंदेलखंड आंदोलन के संरक्षक और कांग्रेस के बड़े नेता तथा मंत्री रहे स्वर्गीय विठ्ठल भाई पटेल ने तो बॉबी फिल्म के लिए एक गीत ही ऐसा लिखा था जो जनता की जुबान पर युगों तक चढ़ा रहा। उन्होंने लिखा था कि - झूठबोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो दुर्भाग्य ये है कि हमारे यहां झूठ बोलने वाली सरकार हो या विपक्ष किसी काले कौवे से ,किसी काले क़ानून से डरती ही नहीं है और 56 इंच का सीना फुलाकर झूठ पर झूठ बोलती जाती है।

झूठ बोलने का सिलसिला हरि अनंत ,हरि कथा अनंता की तरह अनंत है। गांधी जी झूठ बोलने के खिलाफ थे और शायद उन्होंने कभी झूठ का सहारा देश को आजाद करने के लिए नहीं लिया। हमारे यहां एक हरिश्चंद्र हुए थे जिन्हें सत्यवादी कहा जाता था। लेकिन इस विरासत पर हमने रत्ती भर गर्व नहीं है। हम लगातार झूठ पर झूठ बोलते जा रहे हैं और सत्य को आहत कर रहे हैं। ये सिलसिला न कांग्रेस के जमाने में रुका और न भाजपा के जमाने में। आगे किसका जमाना आएगा ये हमें मालूम नहीं।

इस मामले में मेरा भरोसा कीजिये कि मै प्रायः झूठ नहीं बोलता । जरूरत पड़ने पर जनहित में मैंने अनेक बार झूठ बोला है ,लेकिन मेरा झूठ राहुल गांधी या मोशा की जोड़ी के झूठ की तरह कभी पकड़ा नहीं गया। मुझे अपने झूठ के लिए कभी शर्मशार नहीं होना पड़ा। जब हम बच्चे थे और हमने गांधी या सत्यवादी हरिश्चंद्र के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जाना था तब भी हम आपस में कहते थे कि - झूठ बोलना पाप है,नदी किनारे सांप है यान हमारे संस्कारों में झूठ को कभी महत्ता नहीं दी गई। हमारे सनातन धर्म ग्रन्थ भी झूठ से दूर रहने कोई सीख देते रहे हैंहम हमेशा गाते हैं कि -सजन रे झूठ मत बोलो, खुदा के पास जाना है । लेकिन हम न खुदा से डरते हैं,न ईश्वर से।

झूठ का कोई एक रंग नहीं होता। कोई झूठ सफेद होता है तो कोई काला,कोई सतरंगी भी होता है। आपने मुमकिन है कि हर तरह का झूठ सुना हो ,लेकिन इस सदी के दो बड़े झूठ है। पहला कांग्रेस के जमाने में कहा गया झूठ गरीबी हटाओ का था दूसरा सबसे बड़ा झूठ मोदी युग में अच्छे दिन आएंगे का झूठ था। देश से न गरीबी हटी और न अच्छे दिन आये । आज भी देश में 90 करोड़ गरीब हैं। जबकि सरकार कहती है कि उसने पिछले दस साल में 25 करोड़ गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला।

विज्ञान ने झूठ और सच को पकड़ने के लिए मशीन भी बनाई जिसे अंग्रेजी में लाय डिटेक्टर कहते है। लेकिन ये मशीन भी सौ फीसदी भरोसे की नहीं है। झूठ बोलने वाले दुर्दांत लोग इस मशीन को भी धोखा देने में कामयाब हो जाते हैं। जांच एजेंसियां इस मशीन का अक्सर इस्तेमाल करतीं है ,लेकिन इस मशीन का इस्तेमाल आजतक किसी प्रधानमंत्री,मंत्री,सांसद या विधायक के झूठ को पकड़ने के लिए नहीं किया गया। सरकार को ईडी ,सीबीआई के साथ ही अब लाय डिटेक्टर का इस्तेमाल भी विरोधियों को जेल की हवा खिलने के लिए करना चाहिए। सबसे पहले इसे जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर और बाद में सत्तारूढ़ दल के किसी भी नेता पर ,राहुल गांधी पर आजमाया जा सकता है।

झूठ के मामले में हमारे नेता सुधरने वाले नहीं है। सत्तापक्ष हो या विपक्ष झूठ बोलने से बाज आने वाला नहीं है ,इसलिए सच तक पहुँचने के लिए अपना तीसरा नेत्र खोलने की कोशिश करते रहिये ,अन्यथा आप झूठ के दंश से अपने आपको,आने वाली पीढ़ी को बचा नहीं पाएंगे। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8058

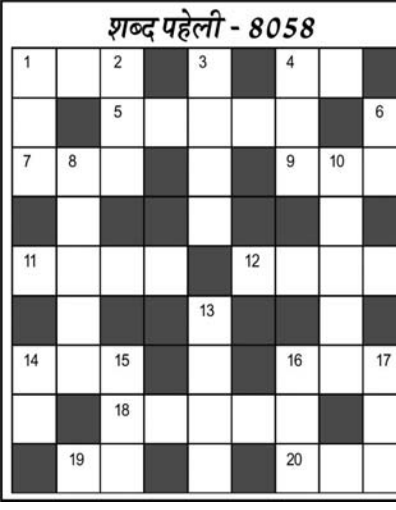

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन(अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8057 का हल

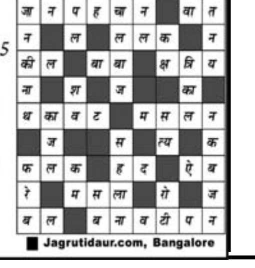

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारतीय क्रिकेट टीम का विश्वकप के साथ स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ

हवाई अड्डे पर टीम की एक झलक पाने प्रशंसक उमड़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम का आज यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। भारतीय टीम को लेकर जैसे ही विशेष विमान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा प्रशंसक उत्साहित हो गये। हल्की बारिश के बाद भी प्रशंसकों का उत्साह अपने चरम पर था। इस दौरान सुरक्षा की भी कड़ी व्यवस्था की गयी थी। खिलाड़ियों को विश्वकप ट्रॉफी के साथ देखने के लिए हजारों की तादाद में प्रशंसक बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लेकर खड़े थे। उन्होंने खिलाड़ियों को जीत की बधाई भी दी और नाचने लगे, इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा भी प्रशंसकों के साथ नाचने लगे।

भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर एक दशक बाद कोई आईसीसी खिताब जीता है। जिससे प्रशंसक बेहद खुश थे। इसी दौरान साल 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, 'हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे। टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है। टीम को लेकर एअर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी 'एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह चार बजकर 50 मिनट पर बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे की लगातार यात्रा के बाद गुरुवार सुबह छह बजे यहां पहुंचा।

भारतीय टीम विश्वकप जीतने के बाद से ही बारबाडोस में आये समुद्री तूफान 'बेरिल के कारण फंस गयी थी क्योंकि हवाई अड्डा बंद होने से उड़ाने रुक गयीं थीं। भारतीय क्रिकेट को इसके कारण होटल में ही रुकना पड़ा। भारतीय टीम, सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कुछ अधिकारियों के अलावा टूर्नामेंट कवर करने गए भारतीय मीडियाकर्मी भी इस विमान से पहुंचे। इस दौरान हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

19 फरवरी से नौ मार्च तक खेली जाएगी चैम्पियंस ट्राफी : आईसीसी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च तक खेला जाएगा जिसमें 10 मार्च 'रिजर्व डे होगा। वहीं मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैम्पियंस ट्रॉफी अपनी टीम का भारत के खिलाफ मैच एक मार्च को रखा है, हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस कार्यक्रम को लेकर अभी अपनी सहमति नहीं दी है।

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने आईसीसी को 15 मैच का कार्यक्रम सौंप दिया है जिसमें भारत के मैच सुरक्षा और अन्य कारणों से लाहौर में ही रखे गए हैं। आईसीसी बोर्ड के सदस्य ने कहा, 'पीसीबी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के 15 मैच के कार्यक्रम का प्रारुप हमें दिया है। इसमें सात मैच लाहौर में, तीन मैच कराची में और पांच मैच रावलपिंडी में रखे गए हैं।

इसमें पहला मैच कराची में रखा गया है जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में जबकि फाइनल लाहौर में कराया जायेगा। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप बी में आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच पहला टी20

चेन्नई (ईएमएस)। एकमात्र टेस्ट में जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इस सीरीज से एशिया कप और टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करने का भी अवसर मिला है।

ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो 2023 से अब तक भारत ने सात टी20 श्रृंखला खेली हैं जिनमें से तीन में उसे जीत मिली है और चार में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में मुकाबला बराबरी का ही है।

टीम इस आंकड़े को बेहतर करना चाहेगी। स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के साथ ही कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा से इसमें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके अलावा

जेमिमा रोड्रिग्स और रिचा घोष भी लय में आ रही हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन को इन खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। तेज गेंदबाजी की बात करें तो रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और अरुंधति रेड्डी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा दीप्ति शर्मा, राधा यादव, आशा शोभना और श्रेयंका पाटिल जैसी स्पिनर भी अहम भूमिका निभाएंगी।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की टीम को कप्तान लॉरा वोलवार्ट से उम्मीदें रहेंगी। टीम को वोलवार्ट के अलावा मारिजेन कैप, सुने लुस, एनेके बॉश और तेजमिन ब्रिट्स से भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीदें रहेंगी। वहीं गेंदबाजी में नोनकुलुलेको मलाबा और मसाबाता क्लास के अलावा नादिन डि क्लार्क और अयाबोंगा खाका को भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान) स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, रिचा घोष, डी हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोलावार्ट (कप्तान), तेजमिन ब्रिट्स, मीके डि रिडर, सिनालो जाफ्ता, एनेके बॉश, नादिन डि क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, एलिज-मारी मार्क्स, नोनकुलुलेको मलाबा और तुमी सेखुखुने।

विश्वकप टीम में शामिल मुम्बई के खिलाड़ियों का आज विधान भवन में सम्मान होगा

मुंबई (ईएमएस)। टी20 विश्व विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल मुम्बई के चार खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल का राज्य विधानसभा में सम्मान किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे और ये सभी मुंबई के रहने वाले हैं। ऐसे में हमने इन्हें सम्मानित करने का फैसला लिया है।

इससे पहले शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने विधानसभा में मुंबई के खिलाड़ियों को सम्मानित करने की बात कही। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि शहर के खिलाड़ियों का सम्मान शुक्रवार दोपहर विधान भवन में होगा। टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम आज ही स्वदेश पहुंची है।

नागल और लाजोविच विम्बलडन के पहले ही दौर में हारे

विम्बलडन (ईएमएस)। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त सुमित नागल और उनके जोड़ीदार सर्बिया के डुसान लाजोविच विम्बलडन टेनिस के पहले ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। नागल और लाजोविच को युगल मुकाबले के पहले ही दौर में स्पेन के जाउमे मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की जोड़ी ने 2-6, 2-6 से हरा दिया। नागल और लाजोविच की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच के बाद हार का सामना करना पड़ा। वहीं एकल में नागल दो घंटे 48 मिनट तक चले मैच में सर्बिया के मियोमीर केसमानोविच के हाथों 2-6 6-3 3-6 4-6 से हार गये थे।

पेरिस ओलंपिक में एकसाथ खेलेंगे नडाल और अलकराज : डेविड फेरर

बार्सिलोना (ईएमएस)। स्पेन के कप्तान डेविड फेरर ने टीम की कहा है कि राफेल नडाल और कार्लोस अलकराज पेरिस में एक साथ खेलेंगे। इसके अलावा टीम में पाब्लो कैरेनो बुस्टा, एलेजांद्रो डेविडोविच और मार्सेल ग्रेनोलर्स भी शामिल होंगे।वहीं टेनिस महासंघ ने भी कहा है कि नडाल और युगल मुकाबले में खेलते हुए नजर आयेंगे। ये दोनो हालांकि एकल मुकाबले के विजेता हैं। अलकराज ने हाल ही में हुए फ्रेंच ओपन एकल में जीत हासिल की थी। वहीं अनुभवी नडाल के नाम 22 ग्रैंडस्लैम खिताब हैं। ओलंपिक के टेनिस मुकाबले उसी कोर्ट में खेले जाएंगे जिसमें फ्रेंच ओपन के मुकाबले हुए हैं , ऐसे में इन दोनो को ही हालात से तालमेल बनाना आसान रहेगा। अलकराज का लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है क्योंकि उनका मानना है कि इसका विशेष महत्व है।

हमास जंग के बीच इजराइल में नए युद्ध का डर; राशन जमा करने में जुटे इजराइली

यरूशलम(ईएमएस)। 7 अक्टूबर 2023 को हमास हमले के बाद शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध को 9 महीने होने को आए हैं, फिर भी इजराइल में हमले का असर दिखता है। इजराइल में सभी सरकारी कार्यालय खुले हुए हैं लेकिन स्टाफ की कमी है क्योंकि कई लोगों को रिजर्व सैन्य सेवा के लिए बुलाया गया है।

कई इमारतों और कारों पर पहले से ज्यादा इजराइली झंडे दिखाई देते हैं। साथ ही संदेश लिखा रहता है 'हम साथ हैं, हम जीतेंगे'। इजराइल की हर गली और दीवारों पर हमास की कैद में मौजूद लोगों के पोस्टर दिखाई देते हैं, जिनमें तस्वीर के साथ लिखा है- 'अपहरण'। हमास ने हमले के बाद 250 लोगों को बंधक बना लिया था, इनमें से 100 रिहा हुए, जबकि सौ से ज्यादा लोगों के परिजनों को अपनों की रिहाई का इंतजार है।

बंकरों में खाना-पानी जमा कर रहे इजराइली

इसी बीच, इजराइल में एक और मोर्चे पर जंग के आसार बनते दिख रहे हैं। उत्तरी गाजा में हिजबुल्लाह के हमले बढ़ने के बाद कई हिस्सों को खाली करा लिया गया है। वहां के लोगों को दक्षिण इजराइल के होटलों में भेजा गया है। हिजबुल्लाह के बड़े हमले की आशंका को देखते हुए इजराइली लोगों ने अपने घरेलू बंकरों में भोजन, पानी और अन्य चीजें जमा करना शुरू कर दी हैं। इजराइली राष्ट्रीय बिजली ग्रिड के अधिकारी शॉल गोल्डस्टीन ने कहा कि अगर उत्तर में युद्ध होता है तो हम बिजली का वादा नहीं कर सकते। उनके बयान से इजराइल में जनरेटर की बिक्री बढ़ गई है। गाजा युद्ध के बाद इजराइल में जनरेटर आयात बढ़ा है। यह पहले के 5 प्रतिशत से बढ़कर अब 25 प्रतिशत हो गया है। अधिकांश आयात अमेरिका और ब्रिटेन से हो रहा है।

इजराइल ने दक्षिण लेबनान के टायरे शहर पर हमला किया। इसमें हिजबुल्लाह का एक कमांडर मुहम्मद निमाह नासिर (हज्ज अबू निमाह) मारा गया है। हिजबुल्लाह ने भी कमांडर की मौत की पुष्टि की है। इसके बाद लेबनानी क्षेत्र से इजराइल के उत्तरी हिस्से में रॉकेटों की बौछार कर दी गई। हालांकि, जान-मान के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इस हमले के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि आईडीएफ हिजबुल्लाह के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेगी, हालांकि प्राथमिकता बातचीत के जरिए समाधान निकालने की है। इससे पहले, अमेरिका में यात्रा के दौरान गैलेंट ने कहा थी कि हम लेबनान को पाषाण युग में भेज सकते हैं। कई देशों ने अपने नागरिकों को लेबनान यात्रा के खिलाफ चेतावनी दी है। वहीं, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्ला ने इजराइली एयरपोर्ट और साइप्रस पर हमले की धमकी दी थी।

इजराइली सेना के हमलों में अब तक 37,953 लोगों की मौत हुई हैं। आईडीएफ के आदेश के बाद गाजा के 23 लाख फिलिस्तीनी आए दिन यहां से वहां भटकने के लिए मजबूर हैं। गंदी परिस्थितियों के चलते 1.50 लाख से अधिक बच्चे त्वचा संबंधी खतरनाक बीमारियों से ग्रस्त हो गए हैं। मध्य गाजा के डेर एल-बलाह कैंप में रहने वाले एक परिवार का कहना है कि हम रेत पर सोते हैं। बच्चों के शरीर पर सफेद और लाल रंग के चकते हो गए, दिनभर खुजली हो रही है।

विपक्ष की मजबूती और एकता ने लोकसभा से लेकर राज्यसभा तक दिया संकेत

सत्ता पक्ष के साथ आसंदी भी विपक्ष के निशाने पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद से ही यह माना जा रहा था कि इस बार सत्ता पक्ष के लिए खुले मैदान जैसी स्थिति नहीं होगी, उसे विपक्ष की चुनौती से जूझना होगा। संसद का बजट सत्र आने वाला है लेकिन उससे पहले संपन्न हुए विशेष सत्र के दौरान समीकरण बदले-बदले नजर आए। संख्याबल के लिहाज से सत्ता पक्ष भले ही सबकुछ अपने मुफीद होने का दावा कर रहा हो, किसी दबाव में नहीं झुकने की बात कह रहा हो लेकिन ये बदले समीकरण दूरगामी संदेश देते हैं।

लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण से लेकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा तक, विपक्ष ने आक्रामक तेवर दिखाए। लोकसभा चुनाव में संख्याबल के तराजू पर विपक्ष की मजबूती के बाद ये संभावित भी था लेकिन संसद के दोनों सदनों में कई मौके ऐसे भी आए जब मामला स्पीकर या सभापति बनाम होता नजर आया। संसद का पहले सत्र ने ये संकेत कर दिया है कि विपक्ष के निशाने पर केवल सत्ता पक्ष ही नहीं, आसन भी निशाने पर होगा।

विपक्ष ने सांसदों को शपथ दिलाने के लिए प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति पर सवाल उठाकर, सांसदों को शपथ दिलाने में उनकी सहायता से इनकार करके ये संदेश दे दिया था कि इस बार आसन के लिए भी सदन का संचालन आसान नहीं रहने वाला। स्पीकर चुनाव की बात आई तो पक्ष-विपक्ष में सहमति नहीं बन सकी। नतीजा ये रहा कि विपक्ष ने संख्याबल के लिहाज से हार सुनिश्चित देख भी उम्मीदवार उतार दिया। दशकों बाद स्पीकर चुनने के लिए मतदान हुआ। ओम बिरला ध्वनिमत से लगातार दूसरी बार स्पीकर चुन लिए गए, लेकिन इतिहास के पन्नों में यह भी दर्ज होगा कि उनके खिलाफ विपक्ष ने के सुरेश को उम्मीदवार उतारा था।

अपने पहले कार्यकाल में आम सहमति से स्पीकर चुने गए ओम बिरला को दूसरी बार इस आसन तक पहुंचने के लिए विपक्ष की चुनौती से पार पाना पड़ा। ओम बिरला के स्पीकर चुन लिए जाने के बाद संसदीय परंपरा के मुताबिक फ्लोर लीडर्स की ओर से उनको बधाई देने का सिलसिला शुरू हुआ। नेता सदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दलों के फ्लोर लीडर्स जहां ओम बिरला को निष्पक्ष अध्यक्ष बताते नजर आए तो वहीं विपक्षी दलों ने बधाई देने के मौके से ही निष्पक्षता का सवाल उठाते हुए स्पीकर को अपने संख्याबल का एहसास कराना शुरू कर दिया।

बधाई संदेशों से ही विपक्ष ने दिखा दिए तेवर

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्पीकर चुने पर ओम बिरला को बधाई देते हुए कहा कि सरकार के पास ज्यादा पॉलिटिकल पावर है लेकिन विपक्ष भी भारत का प्रतिनिधित्व करता है। हमें भरोसा है कि आप हमारी आवाज उठाने देंगे। विपक्ष की आवाज दबाना अलोकतांत्रिक है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निष्पक्षता को इस महान पद की महान जिम्मेदारी बताते हुए यह भी कह दिया- किसी भी जनप्रतिनिधि के निष्कासन जैसा न हो। किसी भी जनप्रतिनिधि की आवाज नहीं दबाई जानि चाहिए। आपके इशारे पर सदन चले, इसका उल्टा न हो।

टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने अपनी बधाई स्पीच में सांसदो एक दिन में 140 सांसदों के निलंबन की याद दिलाई और यह भी जोड़ा- आसन सत्ताधारी दल के दबाव में न आए, जैसा पहले हुआ है। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने शेम, शेम के नारे भी लगाए। वहीं, सुप्रिया सुले ने कहा- अगले पांच साल सांसदों के सस्पेंशन के बारे में न सोचें। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने स्पीकर को बधाई देते हुए यह भी कहा- इस हाउस का कैरेक्टर बदल चुका है। अब भाजपा स्टीम रोल नहीं कर पाएगी।

दूसरी इनिंग की निंदा प्रस्ताव से शुरुआत, इसी से सत्र का समापन

बधाई वाले संबोधनों का दौर थमा ने ओम बिरला ने इमरजेंसी के खिलाफ प्रस्ताव पेश कर, कांग्रेस की तत्कालीन सरकार की ओर से संविधान की भावनाओं को कुचले जाने की बात कर विपक्ष को ये संदेश दे दिया कि वह दबाव में आने वाले नहीं हैं। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने स्पीकर के पीएम मोदी से हाथ मिलाते समय झुकने की बात उठा दी। स्पीकर इस पर आसन से सफाई देते नजर आए, अपने संस्कार बताते नजर आए। पीएम मोदी जब धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे, तब हंगामा कर रहे विपक्ष के सांसदों को फटकार लगाते हुए स्पीकर ने राहुल गांधी के व्यवहार को अमर्यादित बताया।

स्पीकर चुने जाने के बाद बधाई संदेशों की औपचारिकता के बाद ओम बिरला निंदा प्रस्ताव लेकर आए, इमरजेंसी की भत्र्सना की, कांग्रेस को निशाने पर रखा। एक तरह से कह सकते हैं कि ओम बिरला की बतौर स्पीकर दूसरी इनिंग निंदा प्रस्ताव से शुरू हुई। धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बाद, सदन की कार्यवाही स्थगित होने से पहले भी एक निंदा प्रस्ताव पारित हुआ। ये निंदा प्रस्ताव नेता सदन प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के दौरान विपक्ष के व्यवहार को लेकर था। निंदा प्रस्ताव के साथ ही सत्र का समापन हुआ।

लोकसभा ही नहीं, उच्च सदन राज्यसभा में भी विपक्ष और आसन का टेंपो हाई रहा। राज्यसभा में कई मौके ऐसे आए जब विपक्ष और सभापति जगदीप धनखड़ के बीच तीखी तकरार देखने को मिली। सभापति धनखड़ ने सख्ती बरती तो विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का रौद्र रूप भी नजर आया। विपक्षी सदस्यों के साथ विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी वेल में आए। सभापति ने इसे लेकर दागी दिन की टिप्पणी की तो सदन के बाहर खड़गे ने सभापति पर विपक्ष के नेता की अनदेखी कर जानबूझकर अपमान का आरोप लगा दिया। सभापति ने इसे पीड़ादायक बताते हुए जब ये कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक है, जो कदम उठाए जाने चाहिए वह उठाए जा रहे हैं और हमारा ऑफिस एक्शन में है। विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे जब धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने खड़े हुए, कहा कि कुछ बातें बोलने जा रहा हूं, इन्हें कार्यवाही में बनाए रखिएगा। सभापति ने ऑथेंटिकेट करने की बात कही तो विपक्षी सदस्यों की ओर से तुरंत ही आवाज आई- वह (सत्ता पक्ष) के लोग झूठ बोलते रहते हैं, आप उनसे ऑथेंटिकेट करने के लिए नहीं कहते। सभापति ने न्यूज पेपर की कटिंग को ऑथेंटिकेट करने का माध्यम मानने से इनकार किया तो विपक्ष ने यह पूछ लिया- आप ही बता दें कैसे ऑथेंटिकेट करें। धन्यवाद प्रस्ताव पर पीएम मोदी के संबोधन के दौरान विपक्ष के वॉकआउट की भत्र्सना करते हुए सभापति ने इसे संविधान का अपमान बताया तो विपक्ष के नेता ने उनकी कार्यशैली पर ही सवाल उठा दिए।

आसन के लिए आसान नहीं होगी संचालन की राह

लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही का संचालन आसन की जिम्मेदारी होती है। पक्ष-विपक्ष का कोई सदस्य सदन में जब किसी नियम का उल्लंघन करे तो उसे रोकने-टोकने के साथ ही स्पीकर और सभापति नियम भी बनाते हैं। लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर के परिसर में सबसे बड़े आसन को ही जब विपक्ष उसकी लक्ष्मण रेखा याद दिला रहा है, संकेत साफ हैं कि आने वाले सत्रों में भी सत्ता पक्ष के साथ ही आसन भी विपक्ष के निशाने पर होगा।

केशव देव ने कहा- सूरज पाल का सिर कलम कर लाओ,11लाख इनाम पाओ

हाथरस (ईएमएस)। भ्रष्टाचार विरोधी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित केशव देव ने बाबा सूरज पाल का सिर कलम करने पर 11 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया है। केशव देव का कहना है कि पाखंड की दुकान चलाने वाले बाबा ने ग़रीब लोगों को बरगला कर उनके साथ छल किया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी पटेल के निर्देश पर राज्य सरकार ने हाथरस भगदड़ की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग गठित की। सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार रात को एक बयान में बताया कि तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की अध्यक्षता इलाहाबाद उच्चा न्यायालय के न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्ति) ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव करेंगे। उन्होंने बताया कि आयोग के दो अन्य सदस्यों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हेमंत राव और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी भावेश कुमार सिंह शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि हाथरस भगदड़ के दोषियों का पता लगाने लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है। इस आयोग को दो महीने में जांच पूरी करनी होगी। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक राज्य सरकार ने राज्यपाल की सहमति से न्यायिक आयोग का गठन करते हुए पांच बिंदुओं पर रिपोर्ट देने को कहा है। इनमें कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा जिला प्रशासन द्वारा दी गयी अनुमति और उसकी शर्तों के अनुपालन की जांच करना शामिल है। आयोग यह भी जांच करेगा कि यह कोई दुर्घटना है, अथवा कोई षडयंत्र या अन्य कोई सुनियोजित आपराधिक घटना। प्रवचनकर्ता भोले बाबा के वकील ने बुधवार को दावा किया था कि अनुयायी कभी भी उनके पैर नहीं छूते हैं। उन्होंने हाथरस में मंगलवार को आयोजित सत्संग में मची भगदड़ और 121 लोगों के मारे जाने के पीछे कुछ असामाजिक तत्वों का हाथ होने का संदेह जताया है।

उत्तरी कैलिफोर्निया में भीषण आग.......26,000 लोगों सुरक्षित निकाला

ऑरोविल (ईएमएस)। उत्तरी कैलिफोर्निया में भीषण गर्मी के बीच जंगल में लगी आग ने पूरे क्षेत्रों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। जिसके मद्देनजर करीब 26,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं वहीं आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर से पानी डाला ला रहा है। सैक्रामेंटो से करीब 110 किलोमीटर दूर बट काउंटी के ऑरोविल शहर के पास वन क्षेत्र में सबसे पहले आग लगी, इससे धुएं का विशाल गुबार उठा। इस बीच दोपहर को ऑरोविल से लगभग आठ किलोमीटर दूर दक्षिण में ग्रब्स नामक स्थान पर आग लग गई, जिसके कारण पलेर्मो शहर के लोगों को अपने घरों को खाली करना पड़ा। आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। कैलिफोर्निया वन एवं अग्नि सुरक्षा विभाग (कैल फायर) के अनुसार, राज्य में 12 से अधिक स्थानों पर आग लगी हुई है, हालांकि इनमें से अधिकांश स्थानों पर आग ने विकार रूप धारण नहीं किया है।

पश्चिमी सूडान में तोपखाने हमले में 15 की मौत

खार्तूम (ईएमएस)। पश्चिमी सूडान में राजधानी एल फशर के एक बाजार में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के तोपखाने हमले में करीब 15 लोग मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने बताया, सभी मृत और घायल नागरिक थे। उन्हें एल फशर में अल-मवाशी (पशुधन) बाजार को निशाना बनाया गया था। राजधानी एल फशर में 10 मई से भीषण झड़पें हो रही हैं। यह 15 अप्रैल, 2023 के बाद से सूडानी सशस्त्र बलों और आरएसएफ के बीच व्यापक संघर्ष की नवीनतम वृद्धि है। पिछले महीने मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के नवीनतम अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष ने अब तक करीब 16,650 लोगों की जान ले ली है।

जनवरी-जून में आवासीय बिक्री बढ़कर 10 साल के उच्च स्तर पर: नाइट फ्रैंक

- कार्यालय स्थान की मांग 33 प्रतिशत बढ़कर 3.47 करोड़ वर्ग फुट रही

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में 2024 की पहली छमाही में मकानों की बिक्री 11 साल के उच्च स्तर 1.73 लाख इकाई पर पहुंच गई। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक के अनुसार इस दौरान देश के आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय की मांग रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई। वार्षिक आधार पर इस वर्ष जनवरी से जून के बीच आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 1,73,241 इकाई हो गई, जबकि कार्यालय स्थान की मांग 33 प्रतिशत बढ़कर 3.47 करोड़ वर्ग फुट रही। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि मजबूत आर्थिक बुनियाद तथा स्थिर सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण भारत का रियल एस्टेट बाजार पिछली कुछ तिमाहियों में तेजी से बढ़ा है। उन्होंने गुरुवार को ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इसके परिणामस्वरूप आवासीय तथा कार्यालय स्थानों की मांग दशक भर में सबसे अधिक रही।

उन्होंने कहा कि 2024 की पहली छमाही जनवरी-जून में कुल बिक्री में प्रीमियम आवास की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही। मुंबई में आवासीय बिक्री जनवरी-जून 2024 में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 47,259 इकाई रही, जबकि शहर में कार्यालय स्थान की मांग 79 प्रतिशत बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट हो गई। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवासीय बिक्री चार प्रतिशत घटकर 28,998 इकाई रह गई, हालांकि कार्यालय स्थान की मांग 11.5 प्रतिशत बढ़कर 57 लाख वर्ग फुट हो गई।

बेंगलुरू में आवासीय बिक्री में चार प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 27,404 इकाई हो गई जबकि कार्यालय मांग 21 प्रतिशत बढ़कर 84 लाख वर्ग फुट हो गई। पुणे में आवासीय बिक्री 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,525 इकाई रही, जबकि कार्यालय स्थान की मांग 88 प्रतिशत बढ़कर 44 लाख वर्ग फुट हो गई, चेन्नई में आवासीय मांग में उछाल और कार्यालय स्थान की मांग में इस अवधि में गिरावट आई। हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद में आवासीय तथा कार्यालय स्थान की मांग दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिपोर्ट पर गुरुग्राम स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी के अ?धिकारी ने कहा कि विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर आवासीय संपत्तियों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसे उच्च आर्थिक वृद्धि तथा बुनियादी ढांचे के विकास से बल मिला है।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक कई राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतों में कमी आई है। तो वहीं देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। गुरुवार को बिहार में पेट्रोल 10 पैसे घटकर 107.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल 10 पैसे घटकर 93.92 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। जबकि यूपी में पेट्रोल 2 पैसे घटकर 94.49 रुपये प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे घटकर 87.55 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। यहां पेट्रोल के दाम 9 पैसे घटकर 104.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 10 पैसे घटकर 90.96 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर है।

सोने के भाव में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत गुरुवार को तेज रही, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 9 रुपये की तेजी के साथ 72,412 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 60 रुपये की तेजी के साथ 72,463 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 169 रुपये की गिरावट के साथ 91,852 रुपये पर खुला। इस समय यह 150 रुपये की गिरावट के साथ 91,871 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,365.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369.40 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 1.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,367.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.84 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 30.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

फ्रांस चुनाव: नेशनल रैली पार्टी जीती तो पड़ोसी देशों में मच सकती है खलबली

-मरीन ले पेन चाहती हैं कि जॉर्डन बार्डेला बनें पीएम, मुस्लिम भी चिंतित

पेरिस,(ईएमएस)। फ्रांस में संसदीय चुनावों में इस बार बड़ा उलटफेर होता दिख रहा है। मरीन ले पेन के नेतृत्व वाली धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली (आनएन) अप्रत्याशित जीत की ओर बढ़ रही है। वहीं, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी तीसरे स्थान पर है। मरीन ले पेन चाहती हैं कि उनके उत्तराधिकारी जॉर्डन बार्डेला पीएम बनें। बार्डेला 28 साल के हैं लेकिन उनकी लोकप्रियता बहुत है। लोग उन्हें चमत्कारिक लीडर के तौर पर देख रहे हैं लेकिन फ्रांस में रह रहे मुस्लिम इससे चिंतित हैं उन्हें डर है। धुर दक्षिणपंथी पार्टी की जीत ने यूरोपीय देशों के लीडर्स की नींद उड़ा दी है क्योंकि बार्डेला फ्रांस फर्स्ट की बात करते हैं। वे मुस्लिम शरणार्थियों को देश से निकालने की वकालत करते हैं। यूरोपीय संघ को बकवास कहते हैं। जर्मनी समेत फ्रांस के सभी पड़ोसी देशों में भी बेचैनी है।

मरीन ले पेन और जॉर्डन बार्डेला का फ्रांसीसी संस्कृति अपनाने पर जोर है। अप्रवासियों की गिनती करने, उनकी जांच करने की बात कहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक जॉर्डन बार्डेला ने फ्रांस की जनता से कहा है कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो वे दोहरी नागरिकता वाले लोगों को सरकारी पदों से हटा देंगे।

उन्होंने कहा मैंने अनुभव किया है कि इन लोगों की वजह से वह अपने ही देश में विदेशी बन गया हैं। फ्रांस के मुस्लिम समुदाय को इस बात की चिंता है कि ली पेन पहले ही सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पर पाबंदी लगाने की बात कर चुकी हैं। वहीं बार्डेला ने हिजाब को भेदभाव का साधन बताया है। मुस्लिमों को डर है कि उनके कल्चर पर प्रहार किया जा सकता है। इस्लामोफोबिया की वजह से उनसे भेदभाव बढ़ सकता है। हिजाब पर प्रतिबंध लगाने और गैर-अप्रवासी नागरिकों को प्राथमिकता देने से जीवन बहुत मुश्किल हो जाएगा। छात्रों को डर है कि कई इस्लामोफोबिक बिल पास किए जाएंगे, जो उनकी आजादी छीन लेंगे। कुछ लोगों को ऐसा भी लग रहा है कि कहीं उन्हें अपना ही देश न छोड़ने को मजबूर होना पड़े।

एक वकील ने कहा स्थिति गंभीर [illegible], नस्लभेद के हालात पैदा हो सकते हैं। छात्रा ओमेयमा ने कहा, एक ऐसा देश, जिसे हम प्यार करते हैं. जहां हम पैदा [illegible] अब हमें खुद को बताना पड़ेगा कि हम फ्रांसीसी [illegible] पास यहां रहने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। उधर, जर्मनी, हंगरी समेत सभी पड़ोसी देशों में खलबली है। उन्हें यूरोपीय संघ के बिखरने का खतरा सता रहा है। क्योंकि बार्डेला फ्रांस फर्स्ट की नीति अपनाना चाहते हैं और उन्हें यूरोपीय संघ बकवास लगता है। यूक्रेन युद्ध के बाद बड़ी संख्या में शरणार्थी फ्रांस और उसके पड़ोसी देशों में आना चाहते हैं। ऐसे में अगर फ्रांस में इन पर रोक लगी, तो काफी मुश्किल हो सकती है।

जबरन नसबंदी......पीड़ितों को मुआवजा दे जापान सरकार

जापान के शीर्ष न्यायालय का फैसला

तोक्यो (ईएमएस)। जापान के शीर्ष न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में जापान सरकार को उन पीड़ितों को उचित मुआवजा देने का आदेश दिया जिनकी अब निरस्त किए जा चुके 'यूजेनिक्स प्रोटेक्शन लॉ' के तहत जबरन नसबंदी की गई थी। यह कानून शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के संतान न पैदा करने के लिए बना था। ऐसा अनुमान है कि पैदा होने वाली संतानों में किसी प्रकार की शारीरिक कमी को रोकने के लिए 1950 से 1970 के बीच कानून के तहत बिना सहमति के करीब 25,000 लोगों की नसबंदी की गई। वादी के वकीलों ने जापान में ''युद्ध के बाद के युग में सबसे बड़ा मानवाधिकार उल्लंघन'' बताया।

अदालत ने कहा कि 1948 का यह कानून पूरी तरह असंवैधानिक था। फैसला 39 में से 11 वादियों के लिए था जिन्होंने अपने मामले की देश के उच्चतम न्यायालय में सुनवाई कराने के लिए जापान की पांच निचली अदालतों में मुकदमे लड़े। अन्य वादियों के मुकदमे अभी लंबित हैं। इनमें से कई वादी व्हीलचेयर पर आश्रित हैं। उन्होंने फैसले के बाद अदालत के बाहर शुक्रिया अदा किया। 81 वर्षीय वादी साबुरो किता ने कहा, मैं अपनी खुशी बयां नहीं कर सकता और मैं यह अकेले कभी नहीं कर पाता।''

किता ने बताया कि उनकी 1957 में 14 साल की उम्र में नसबंदी की गई थी जब वे एक अनाथालय में रहते थे। उन्होंने कई साल पहले अपनी पत्नी की मौत से कुछ समय पहले ही अपने इस राज से पर्दा उठाया था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी वजह से कभी बच्चे न होने पाने का खेद है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने पीड़ितों से माफी मांग कर कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने के लिए वादियों से मुलाकात करने की उम्मीद है।

शेयर बाजार में रिटर्न पिछले तीन वर्षों जितना अच्छा नहीं होगा

- बड़ी पूंजी वाले शेयरों में निवेश जोखिम कम करने का काम करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूचुअल फंड कंपनी फ्रैंकलिन टेम्पलटन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा ?कि निवेशकों के लिए शेयर बाजार में रिटर्न अगले तीन साल में पिछले तीन वर्षों जितना अच्छा नहीं होगा। हालांकि कंपनी के एक मुख्य निवेश अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि रिटर्न ठीक-ठाक होगा और यह अन्य एसेट क्लास से बेहतर प्रदर्शन करेगा। यह बात ऐसे समय आई हैं जब मानक सूचकांकों ने नए रिकॉर्ड लेवल को छुआ और इक्विटी बाजार में हाई वैल्यूएशन को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। अ?धिकारी ने कहा कि बाजार मूल्यांकन इसलिए अधिक है क्योंकि भारत वृद्धि के प्रारंभिक चरण में है, जो लगभग पांच वर्षों तक चलेगा।

उन्होंने बहुत कम शेयरों में अधिक धन लगाने की चिंता को भी दूर करने का प्रयास किया। हाल ही में आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) की बड़ी संख्या की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि नई सूचीबद्ध कंपनियां निवेश की जा रही अतिरिक्त धनराशि को समाहित करने के लिए रास्ते बना रही हैं। पिछले कुछ वर्षों से कंपनियों में इक्विटी रिटर्न आय वृद्धि से बेहतर रहा है और निवेशकों को अब इसके विपरीत होने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने संपत्ति प्रबंधन कंपनी की मल्टीकैप फंड पेशकश की शुरुआत के मौके पर कहा ?कि अगले तीन साल में इक्विटी से अच्छा रिटर्न मिलेगा। यह पिछले तीन सालों जितना अच्छा तो नहीं होगा, लेकिन अन्य संपत्ति वर्ग से बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धियों की तरह, प्रबंधन के तहत आधी संपत्ति छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में निवेश की जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी पूंजी वाले शेयरों में निवेश जोखिम कम करने का काम करेगा।

अंतरिक्ष में सुनीता...... कई तरह की शारीरिक दिक्कतों से होता हैं सामना

वॉशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ स्पेस में फंस हुई हैं। शुरुआत में उनका मिशन 8 दिनों में पूरा होना था। लेकिन स्पेस क्राफ्ट में खराबी के कारण उनकी वापसी नहीं हुई है। अंतरिक्ष यात्री जब स्पेस में जाते हैं, तब पृथ्वी से बिल्कुल अलग वातावरण होता है। यहा माइक्रोग्रैविटी, रेडिएशन का खतरा, अंतरिक्ष स्टेशनों के सीमित क्वार्टर मानव स्वास्थ्य के लिए अनूठी चुनौतियां पेश करते हैं। स्पेस स्टेशन पर लंबे समय तक रुकना एक बड़ा जोखिम होता है। अंतरिक्ष यात्रियों की ओर से अंतरिक्ष में अनुभव किए जाने वाले तात्कालिक परिवर्तनों में से एक द्रव पुनर्वितरण है। गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में शारीरिक तरल पदार्थ शरीर के ऊपरी हिस्से में पहुंचने लगते हैं, इससे चेहरे पर सूजन, नाक बंद होना और पैरों में तरल पदार्थ की कमी होती है। पृथ्वी पर लौटने पर इसका असर दिखाई देता है। अंतरिक्ष यात्रियों को कुछ समय तक खड़े होने पर चक्कर आता है या बेहोशी होती है। हालांकि सुनीता विलियम्स अलग नहीं हैं, बल्कि स्पेस में जाने वाले हर अंतरिक्ष यात्री के साथ ऐसा होता है। माइक्रोग्रैविटी का मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर भी असर पड़ता है। मांसपेशियों के समर्थन की आवश्यक्ता वाले गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण अंतरिक्ष यात्रियों की मांशपेशियां पैरों और पीठ में विशेष तौर पर कमजोर हो जाती है। इससे हड्डियों की महत्वपूर्ण क्षति हो जाती है, विशेष रूप से रीढ़ और श्रोणि जैसी वजन उठाने वाली हड्डियों में। यांत्रिक तनाव की कमी से ऑस्टियोपोरोसिस के समान हड्डियों के घनत्व में कमी आती है।

इन प्रभावों से निपटने के लिए स्पेस स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री व्यायाम करते हैं। लेकिन फिर भी कुछ हद तक हड्डियों को नुकसान हो ही जाता है। द्रव वितरण में परिवर्तन मूत्र प्रणाली को प्रभावित करता है, इससे यूरिन में कैल्शियम के उच्च स्तर के कारण गुर्दे में पथरी का खतरा बढ़ जाता है। हार्मोन के स्तर, इंसुलिन संवेदनशीलता और आंत माइक्रोबायोटा की संरचना में परिवर्तन देखा गया है, जो संभावित रूप से दीर्घकालिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। पृथ्वी की तुलना में अंतरिक्ष यात्री उच्च स्तर के रेडिएशन का सामना करते हैं। इसमें गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें और सौर कण शामिल होते हैं। यह डीएनए क्षति और कैंसर की बढ़ती संभावना को बढ़ते हैं। रेडिएशन के लेवल की स्पेस एजेंसियां सावधानी पूर्वक निगरानी करती हैं। गुरुत्वाकर्षण की कमी संवेदी इनपुट प्रभावित करती है।

कुछ दशकों में ही बढे डिप्रेशन के पेशेंट्स,- फायदेमंद हो सकती है जेनेटिक टेस्टिंग

लंदन (ईएमएस) । बीते कुछ दशकों में डिप्रेशन के शिकार पेशेंट्स काफी बढ़ गए हैं। मरीजों को डिप्रेशन से उबारने के लिए लगातार अध्ययन किया जा रहा हैं। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ वेटरन्स अफेयर्स की स्टडी में कहा गया है कि फार्माकोजेनोमिक टेस्टिंग से एंटी-डिप्रेशन मेडिकेशन को अवॉइड किया जा सकता है।

बता दें कि एंडी-डिप्रेशन मेडिकेशन से मरीजों में कई बार अनचाहे नतीजे भी देखने को मिल जाते हैं। फार्माकोजेनोमिक्स दवाइयों के प्रति हमारे जींस किस तरह प्रतिक्रिया दे रहे हैं इसकी स्टडी है।स्टडी के दौरान रिसर्चर्स ने ये भी पाया कि जिन मरीजों पर जेनेटिक टेस्टिंग की गई है उनके परिणाम, सामान्य केयर वाले मरीजों की तुलना में बेहतर मिले हैं। स्टडी के दौरान 24 हफ्तों तक मरीजों का इलाज किया गया, जेनेटिक टेस्टिंग वाले ग्रुप में 12 हफ्तों के बाद डिप्रेशन के लक्षणों में कमी नजर आई।स्टडी में शामिल सभी मरीजों को गंभीर डिप्रेसिव डिसऑर्डर था। इनमें अनिद्रा, भूख में कमी, उदासी और दुःख का अनुभव होना और आत्महत्या करने जैसे विचार आने के लक्षण मौजूद थे।

इस स्टडी को लीड करने वाले मेंटल इलनेस, रिसर्च, एजुकेशन एवं क्लिनिक सेंटर के डायरेक्टर डॉ डेविड ऑस्लिन के अनुसार स्टडी के नतीजे सभी को फार्माकोजेनोमिक टेस्टिंग को लेकर प्रेरित करेंगे। मरीजों की अनुमति से किये जाने वाली इस टेस्टिंग से किस तरह का इलाज देना है इसका निर्णय लेने में भी मदद मिलेगी।डॉ. डेविड ऑस्लिन और उनकी टीम ने जींस की कमर्शियल बैटरी जो कि सीवायपी450 सिस्टम पर फोकस करती है का यूज किया। ये बैटरी 8 जीन्स को टेस्ट करती थी, इनमें से 6 टेस्ट लिवर के एंजाइम के वेरिएंट के लिए थे। जींस का एंटी-डिप्रेशेंट्स से क्या लेना देना है? इस सवाल पर ऑस्लिन कहते हैं 'हमने जिन जींस को टेस्ट किया वास्तव में उनका डिप्रेशन से ताल्लुक नहीं था। हमने शरीर में दवाई जाने के बाद व्यक्ति उसके कैसे मेटाबोलाइज करता है इसे रिलेट किया। इनमें से कुछ जींस ने मेडिकेशन को मेटाबोलाइज़ सामान्य की अपेक्षा तेजी से किया। वहीं दूसरी ओर दूसरे सामान्य की तुलना में धीमी गती से ड्रग्स को मेटाबोलाइज करते हैं, इसका सीधा मतलब है कि शरीर में ढेरा सारा मेडिकेशन होना।'

डॉ. डेविड ऑस्लिन कहते हैं कि इस स्टडी के दौरान सिग्निफिकेंट ड्रग-जीन इंटरेक्शन या मॉडरेट ड्रग जीन इंटरेक्शन को मेडिकेशन से दूर रखने में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया। जेनेटिक टेस्टिंग ग्रुप के 26 प्रतिशत कंट्रोल ग्रुप के मुकाबले 59 प्रतिशत मरीजों को बिना किसी ड्रग-जीन इंटरेक्शन को प्रिडिक्ट किए बिना मेडिकेशन किया गया था। रिसर्चर्स के अनुसार डइस दौरान 'सांख्यिकीय तौर पर महत्वपूर्ण और क्लीनिकली मीनिंगफुल' अंतर पाया गया था। बता दें कि तेजी से बदल रही लाइफस्टाइल और गलाकाट प्रतिस्पर्धा ने लोगों को तेजी से डिप्रेशन का मरीज बनाया है।

देश की फूड सर्विस 10 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में खान-पान सेवा बाजार के 2030 तक 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। इस दौरान कंज्यूमर बेस 45 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑनलाइन खानपान वितरण क्षेत्र में सीएजीआर 18 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है। इसकी पहुंच 2023 में 12 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 20 प्रतिशत हो जाएगी। खानपान सेवा बाजार में बाहर खाना और घर पर ऑर्डर करके मंगाना शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन फूड डिलीवरी मार्केट 2030 तक 2.12 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में खानपान सेवा बाजार का वर्तमान मूल्य 5.5 लाख करोड़ रुपये है। अगले सात वर्षों में इस कारोबार के सालाना 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो 2030 तक 9 से 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि यह वृद्धि मजबूत बुनियादी कारकों से प्रभावित होगी। इनमें विस्तारित ग्राहक आधार, बढ़ती खपत के अवसर और आपूर्ति में वृद्धि शामिल है। इसके अलावा ऑनलाइन खाद्य वितरण में (लगभग) 18 प्रतिशत सीएजीआर की दर से वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2030 तक कुल खानपान सेवा बाजार में 20 प्रतिशत का योगदान देगा। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि भारतीय खानपान सेवा बाजार, विशेष रूप से खाद्य वितरण में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा ?कि उच्च आय, डिजिटलीकरण, बेहतर ग्राहक अनुभव और नए अनुभवों को आजमाने की प्रवृत्ति ने इस वृद्धि में योगदान दिया है।

शाला प्रवेशोत्सव-कन्या केळवणी महोत्सव की शानदार सफलता से विकसित गुजरात बना कर विकसित भारत के निर्माण की प्रधानमंत्री की संकल्पना साकार करनी है : मुख्यमंत्री

गांधीनगर 04 जुलाई, 2024 : मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व व मार्गदर्शन में गत 26 से 28 जून के दौरान राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव 2024 आयोजित किया गया। गुजरात में शिक्षा के स्तर में उत्तरोत्तर वृद्धि करने एवं कन्या शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल से यह अभियान प्रारंभ करवाया है।

शाला प्रवेशोत्सव की इस वर्ष की 21वीं श्रृंखला में सहभागी हुए मंत्रियों, पदाधिकारियों एवं अधिकारियों के प्रतिभावों, अभिप्रायों तथा सुझावों को जानने के लिए गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में अभिप्राय बैठक आयोजित हुई। बैठक में पटेल ने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव के इस शिक्षा सेवा यज्ञ की सफलता से विकसित गुजरात बना कर विकसित भारत के निर्माण की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना साकार करनी है। इस संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि काम को अपना समझ कर काम करने से अच्छे परिणाम अवश्य ही मिलते हैं। इस बात को गुजरात ने शाला प्रवेशोत्सव की उत्तरोत्तर सफलता से सिद्ध किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा तथा शिक्षक; दोनों की जो इमेज थी, उसमें अब बदलाव आया है। गुणवत्ता, स्तर एवं सुविधा सुधरे हैं। इतना ही नहीं; शिक्षक अब विद्यार्थी के माता-पिता की भूमिका निभा कर बच्चे के सर्वांगीण विकास की निरंतर चिंता करते हैं।

भूपेंद्र पटेल ने कहा कि ग्रामीण सुदूरवर्ती आदिवासी क्षेत्रों तक अब उन्नत शिक्षा सुविधाएँ पहुँची हैं। ऐसे में यह भी उतना ही आवश्यक है कि इन सुविधाओं का पर्याप्त लाभ बच्चों को मुहैया कराने के लिए शाला प्रवेशोत्सव जैसीपहलोंके माध्यम से हम सभी साथ मिल कर और अधिक अच्छा परिणामदायी काम करें। मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव के अपने स्वानुभावों का वर्णन करते हुए जोड़ा कि आदिजाति क्षेत्र के अंतिम गाँव भी विकास की पंक्ति में अग्रिम गाँव बने हैं। सरकार ने वहाँ ऐसी सुविधाएँ पहुँचाई हैं। इस वर्ष के प्रवेशोत्सव में नौवीं कक्षा में प्रवेश पर पहली बार ध्यान केन्द्रित किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हम ड्रॉपआउट रेशियों में बड़ा अंतर ला सकेंगे।

पटेल ने 'शिक्षक कभी साधारण नहीं होता' की विभावना स्पष्ट करते हुए आगे कहा कि जिम्मेदार नागरिक के निर्माण की नैतिकता शिक्षक का परम दायित्व है। हम सब भी साथ मिल कर शिक्षा की ज्योत से उज्ज्वल भविष्य के लिए सहयोगी बनें।

बैठक में शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. विनोद राव ने शाला प्रवेशोत्सव 2024 की सफलता की उपलब्धियों का वर्णन करने वाला प्रेजेन्टेशन दिया। तद्अनुसार, राज्य के लगभग 74352 अधिकारियों, पदाधिकारियों तथा महानुभावों ने राज्यभर के 31885 प्राथमिक तथा 6369 माध्यमिक विद्यालयों की मुलाकात ली। इतना ही नहीं, प्रवेशोत्सव के दौरान 6685 क्लासरूम, 7878 कम्प्यूटर लैब एवं 26570 स्मार्ट क्लास का लोकार्पण-उद्घाटन संपन्न हुआ। इस शाला प्रवेशोत्सव में बालवाटिका से लेकर कक्षा 11 में प्रवेश योग्य बच्चों का शाला में प्रवेश कराया गया। अब तक बालवाटिका में 4.38 लाख, कक्षा 1 में 9.14 लाख, कक्षा 9 में 8.12 लाख और कक्षा 11 में 5.62 लाख बच्चों की डेटा एंट्री चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम पोर्टल पर हुई है। डेटा एंट्री का कार्य 31 जुलाई तक पूर्ण किया जाएगा।

राज्य सरकार द्वारा बेटियों को शिक्षा में प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गईं 'नमो लक्ष्मी' योजना के फलस्वरूप प्रवेशोत्सव के दौरान माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में छात्राओं के नामांकन में गत वर्ष की तुलना में 6.5 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। इसी प्रकार विज्ञान प्रवाह की शिक्षा में अधिक संख्या में विद्यार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से लागू की गईं 'नमो सरस्वती विज्ञान साधना' योजना के कारण विज्ञान प्रवाह के विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या में 5 प्रतिशत वृद्धि हुई है। कृषि मंत्री श्री राघवजीभाई पटेल, आदिजाति विकास राज्य मंत्री श्री कुँवरजीभाई हळपति तथा लगभग पाँच सचिव स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं जिन गाँवों और विद्यालयों में गए थे, वहाँ की शिक्षा सुविधाओं, मध्याह्न भोजन, बच्चों के पठन-लेखन, गणित-विज्ञान के विषय के प्रति अभिरुचि तथा शिक्षकों की सज्जता और शिक्षा की गुणवत्ता के विषय में अपने मत, अभिप्राय एवं सुझाव व्यक्त किए। शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर ने अपेक्षा व्यक्त की कि शाला प्रवेशोत्सव का यह सेवा यज्ञ निरंतर रूप से चलता रहे और राज्य के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मशाल झिलमिलाती रहे। मुख्य सचिव श्री राज कुमार ने बैठक में कहा कि शाला प्रवेशोत्सव की उत्तरोत्तर सफलता से शिक्षा के स्तर तथा गुणवत्ता;दोनों में सुधार हो, यही इस अभियान का आशय है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वग्राही विकास के लिए शिक्षक के साथ अभिभावकों व समाज का योगदान भी आवश्यक है। इसे अधिक प्रेरित करने का दायित्व ऐसे प्रवेशोत्सव के जरिये हम सभी को निभाना है। उन्होंने अपने अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में कृषि श्रमिकों या श्रमिकों के बच्चे आते हैं, परंतु श्रमिकों के अनिश्चित निवास के चलते इन बच्चों की स्कूलों में उपस्थिति की अनियमितता पाई जाती है। ऐसे बच्चों के माता-पिता से प्रत्यक्ष संपर्क कर उनकी संतानों को स्कूल में लाने के प्रयासों की जरूरत है।

मुख्य सचिव ने प्राथमिक स्तर से ही विद्यालय शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के साथ बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल तथा जाँच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) तथा उप केन्द्रों को भी जोड़ने का प्रेरक सुझाव दिया। बैठक में सर्व शिक्षा अभियान की राज्य निदेशक डॉ. रतनकँवर एच. गढवीचारण ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का कर्मचारी हितैषी निर्णय

गांधीनगर 04 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के व्यापक हित में एक अहम निर्णय करते हुए सातवें वेतन आयोग का लाभ पाने वाले राज्य सरकार के कर्मचारियों को केंद्र के हिसाब से महंगाई भत्ते (डीए) में 4 फीसदी की बढ़ोतरी का लाभ 1 जनवरी, 2024 के प्रभाव से देने की घोषणा की है।

महंगाई भत्ते में वृद्धि का लाभ राज्य सरकार के पंचायत सेवा के तथा अन्य कर्मचारियों सहित कुल 4.71 लाख कर्मयोगियों एवं लगभग 4.73 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों यानी पेंशनभोगियों को मिलेगा।

महंगाई भत्ते की 1 जनवरी, 2024 से 30 जून, 2024 तक की छह महीने की बकाया राशि का भुगतान तीन समान किस्तों में वेतन के साथ किया जाएगा।

जिसके अनुसार, कर्मचारियों को जनवरी-2024 तथा फरवरी-2024 महीने की अंतर की राशि जुलाई-2024 के वेतन के साथ, मार्च और अप्रैल-2024 के अंतर की राशि अगस्त-2024 के वेतन के साथ और मई एवं जून-2024 के महंगाई भत्ते की बकाया राशि का भुगतान सितंबर-2024 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार कर्मचारियों को इसबकाया राशि के लिए कुल मिला कर 1129.51 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस कर्मचारी हितैषी निर्णय को लागू करने के लिए वित्त विभाग द्वारा आवश्यक आदेश जारी करने के संबंध में भी निर्देश दे दिए गए हैं।

7वें सुजलाम सुजलाम जल अभियान के तहत गुजरात में 11,523 लाख क्यूबिक फीट बढ़ी जल संग्रहण क्षमता

.गांधीनगर 04 जुलाई : जल प्रबंधन के लिए देशभर में प्रसिद्ध गुजरात ने अपने महत्वाकांक्षी जल संरक्षण अभियान सुजलाम सुफलाम जल अभियान (एर्एं) के सातवें संस्करण को पूरा करते इस साल हुएराज्य में 11,523 लाख क्यूबिक फीट अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता सृजित करने में सफलता हासिल कीहैइससालआयोजित जल अभियान के तहत उत्तर गुजरात में 2831 लाख क्यूबिक फीट, मध्य गुजरात में 4946 लाख क्यूबिक फीट, दक्षिणगुजरातमें1046लाख क्यूबिक फीटऔरसौराष्ट्र- कच्छ क्षेत्र में 2700 लाख क्यूबिक फीट, अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता का निर्माण हुआ है।

गुजरात सरकार की इस विशेष पहल में व्यापक जनभागीदारी के साथ-साथ जल संसाधान, जल वितरण, वन एवं पर्यावरण, शहरी विकास एवं महानगरपालिका, नर्मदा निगम, शिक्षण विभाग और पंचायत व ग्रामीण विकास जैसे विभागों की भी सहभागिता रहती है।

गुजरात में मौजूद बड़े और छोटे जल निकायों में वर्षा जल को अधिक से अधिक संरक्षित करने के उद्देश्य के साथ गुजरात सरकार पिछले 7 सालों से लगातार इस अभियान को जारी रखती आई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अब तक के सातों संस्करणों को मिलाकर गुजरात में 1,19,144 लाख क्यूबिक फीट से अधिक जल संग्रहण क्षमता बढ़ गई है।

एर्एं के सातवें संस्करण के तहत हुए कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए जल संसाधन विभाग के सचिव के बी राबड़िया ने बताया, ''मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में एर्एं का यह अभियान इस साल भी काफी सफल रहा है। इस वर्ष एर्एं के अंतर्गत 9374 कार्य संपादित हुए हैं जिसमें 4 हजार से अधिक जनभागीदारी के अंतर्गत, 1900 से अधिक मनरेगा के तहत और 3,300 से अधिक कार्य राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों द्वारा पूरे किए गए हैं। इस दौरान 7.23 लाख मानव दिवस का सृजन भी हुआ है और इस साल राज्य की जल संग्रहण क्षमता में 11,523 लाख क्यूबिक फीट बढ़ोतरी होगी।''

के बी राबड़िया ने आगे बताया, ''इस साल जिन शीर्ष 5 जिलों में सबसे अधिक काम हुआ है उनमें दाहोद में सबसे अधिक 1254 कार्य, गीर सोमनाथ में 848 कार्य, आणंद में 679 कार्य, महिसागर में 648 कार्य और अरवल्ली जिले में 617 कार्य किए गए हैं। राज्य में मौजूद छोटी नदियों, तालाबों, चेकडैम जैसे अलग-अलग प्रकार के जलाशयों की सफाई व रिपेयरिंग के साथ-साथपूरे राज्य की 815 किमी. लंबी बड़ी नहर व 1755 किमी. छोटी नहर की भी सफाई की गई है।''

उल्लेखनीय है कि गुजरात के इस भगीरथ प्रयास का व्यापक उद्देश्य राज्य के शुष्क परिदृश्य को बदलना है। यह व्यापक अभियान भूजल स्तर को बढ़ाने, जल निकायों की सफाई करने और पारंपरिक जल संसाधनों को पुनर्जीवित करने पर केंद्रित है ताकि कृषि, औद्योगिक और घरेलू जरूरतों के लिए सुरक्षित और पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। सामुदायिक भागीदारी का उपयोग करके और आधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर, सुजलाम सुफलाम जल अभियान न केवल तत्काल जल की कमी के मुद्दों को संबोधित करता है, बल्कि गुजरात में दीर्घकालिक पारिस्थितिक संतुलन और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

बनासकांठा के दांता शहर में ४ घंटे में ८ इंच बारिश से बाढ़ के हालात

पालनपुर, ०४ जुलाई ।

दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के बाद अब मानसून उत्तर गुजरात पर मेहरबान हो गया है। बनासकांठा जिले के दांता शहर में चार घंटे में ही ८ इंच बारिश से बाढ़ के हालात बन गए हैं। मूसलाधार बारिश से दांता के सरकारी अस्पताल में पानी भर गया है। इसके चलते मरीजों को ट्रैक्टर की मदद से दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है।

दांता के अलावा पालनपुर में भी दो इंच बारिश से हर ओर पानी ही पानी है। यही हाल जोटाणा और कड़ी शहर का भी है। यहां पिछले २४ घंटे में साढ़े पांच इंच बारिश दर्ज की गई है। कड़ी के निचले इलाकों की सोसायटियों में पानी भर गया है।

आज सुबह ६ बजे से १० बजे तक उत्तर गुजरात के ४४ तालुका में जोरदार बारिश हुई है। सबसे ज्यादा दांता में ८ इंच, तिलकवाड़ा में ढाई इंच, वडगाम, पालनपुर में दो इंच, नांदोल, वांगरिया में एक इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा राज्य के अन्य तालुकों में भी हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

पालनपुर में दो घंटे में डेढ़ से दो इंच बारिश हुई, जिससे गथमन पाटिया हाईवे पर पानी भर गया। तीन से चार फीट तक पानी भरने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। गथमन पाटिया हाईवे करीब एक दर्जन गांवों को पालनपुर शहर से जोड़ता है। हाईवे पर पानी भरा होने से सुबह स्कूल-कॉलेज और ऑफिस जाने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हाईवे पर जगह-जगह लंबा जाम भी लगा हुआ है।

शहर में सुबह से ही रुक-रुककर तेज भारी बारिश हो रही है। इससे पुराना चेक पोस्ट, पुराना बस स्टैंड, रेलवे ब्रिज समेत इलाकों में पानी भर गया। भिलोडा पथंका में भी लगातार दो दिन से बारिश हो रही है। रात भर भारी बारिश के कारण नादरी नदी उफान पर आ गई। नदी पर बने चेक डैम भी ओवरफ्लो हो गए हैं। सुनोख वत्तापुर के गांवों की स्थानीय नदियां पर उफान पर आ रही हैं।

साबरकांठा जिले में भी पिछले दो दिनों से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। ईडर में ४ इंच बारिश दर्ज की गई है। अन्य तालुकाओं में भी अच्छी बारिश हो रही है। साबरकांठा में कल रात हुई तेज बारिश से अहमदाबाद-उदयपुर नेशनल हाईवे पर पानी भर गया, जिससे रात भर वाहन चालक परेशान होते रहे।

पिछले २४ घंटों में राज्य के ११० तालुकाओं में बारिश दर्ज की गई। जिसमें सबसे ज्यादा बारिश कड़ी में १३२ रूरू, ईडर में ८२ रूरू, हंसोट में ४९ रूरू, नेतरंग में ४९ रूरू, जोताणा में ४३ रूरू, भिलोडा में ३८ रूरू, बीजापुर में ३३ रूरू, मनसा में ३२ रूरू और हिम्मतनगर में ३१ रूरू बारिश दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में २० प्रतिशत से अधिक बारिश हो चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा बारिश सौराष्ट्र जोन में २९ फीसदी से ज्यादा, कच्छ में २५ फीसदी से ज्यादा, दक्षिण गुजरात में २० फीसदी से ज्यादा, उत्तरी गुजरात में १३ फीसदी से ज्यादा और मध्य गुजरात में १२ फीसदी से ज्यादा दर्ज की गई है। जुलाई में बारिश का कोटा पूरा हो जाने का अनुमान है।

दिसंबर माह तक सरकार लगभग २४ हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती

अहमदाबाद, ०४ जुलाई ।

गुजरात के शिक्षकों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बड़ा फैसला लिया है। दिसंबर माह तक सरकार लगभग २४हजार से अधिक शिक्षकों कीभर्तीकरेगी।इस फैसले से बेरोजगार युवाओं को नई दिशा मिलेगी। गुजरात के मंत्री रुशिकेश पटेल ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। यह फैसला शिक्षित बेरोजगार युवाओं को नया अवसर प्रदान करेगा। भाजपा शासित गुजरात राज्य में शिक्षकों को लेकरअच्छीखबरआईहै।मंत्री रुशिकेश पटेल ने बुधवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक की। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए है।

गुजरातभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधरोपण किया गया

अहमदाबाद, ०४ जुलाई ।

अहमदाबाद समेत गुजरातभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधरोपण किया जा रहा है। इसके मद्देनजर ही गुजरात में सामाजिक संस्थाएं भी पौधरोपण कर रही हैं। साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

अखिल भारतीय पर्यावरण संस्थान की ओर से रारड़ा गांव की सेठ एम. एन. पटेल हाईस्कूल परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों और आमजन को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई।

संस्थान के अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने कार्यक्रम को लेकर कहा कि विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और पेड़ों की महत्ता बताई गई। विद्यार्थियों को अपने-अपने घरों के परिसर में पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया गया।

उन्होंने कहा कि संस्थान की ओर से अहमदाबाद के अलग-अलग क्षेत्र में डेढ़ सौ से ज्यादा पौधे लगाए गए हैं और उनका संरक्षण भी किया जा रहा है। साथी कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को १००० से ज्यादा तुलसी पौधों का वितरण किया गया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा कल्पना ने पर्यावरण संरक्षण के महत्ता बताई

यूपी के हाथरस घटना के बाद अहमदाबाद पुलिस रथयात्रा को लेकर सतर्क

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर प्रदेश के हाथरस घटना के बाद अहमदाबाद पुलिस शहर में निकलने वाली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा को लेकर सतर्क हो गई हैं रथयात्रा में लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं और इसमें किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो इसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं बता दें कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी अहमदाबाद में निकलने वाली रथयात्रा में तो लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में रथयात्रा से पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है और जब रथयात्रा शहर के सरसपुर पहुंचती है तब भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ होती हैं

7 जुलाई को अहमदाबाद में निकलने वाली भगवान जगन्नाथ जी की 147वीं रथयात्रा से पहले जमालपुर स्थित मंदिर से सरसपुर तक के रथयात्रा के रूट पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने रिहर्सल किया अहमदाबाद पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने बताया कि रथयात्रा रूट पर पुलिस समीक्षा कर रही है और इस बार रथयात्रा में सभी तकनीक का उपयोग किया जाएगा रथयात्रा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बलून सीसीटीवी से नजर रखी जाएगी इसके अलावा ड्रोन कैमरे का उपयोग किया जाएगा रथयात्रा के दौरान पुलिस के 12000 और होमगार्ड के 6000 जितने जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे इसके अलावा रथयात्रा की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाहर से अतिरिक्त फोर्स मंगवाई गई हैं 20 जितनी एसआरपी की कंपनी और 11 पैरा मिलेट्री फोर्स भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेगी रथयात्रा का चार जगहों से लाइव स्ट्रीमिंग किया जाएगा जिसमें अहमदाबाद पुलिस कंट्रोल रूम, एनेक्सी सर्किट हाउस, गांधीनगर डीजी ऑफिस और सीएमओ में लाइव स्ट्रीमिंग किया जाएगा रथयात्रा से पहले एक बार और सुरक्षा व्यवस्था की जांच के लिए ग्रांड रिहर्सल किया जाएगा

शराब पीने के बाद दो दोस्तों के बीच हुए झगड़े में एक की हत्या

राजकोट (ईएमएस) शहर के रैयाधार क्षेत्र में रविवार को एक युवक की हत्या की हुई लाश मिली थी जांच कर रही पुलिस ने इस मामले की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को राधनपुर से गिरफ्तार कर लिया आरोपी ने कबूल किया कि शराब के पीने के दोनों के बीच झगड़ा हुआ और आवेश में आकर उसने अपने दोस्त को मौत के घाट उतार दिया और फरार हो गया राजकोट के रैयाधार क्षेत्र के मच्छुनगर क्वार्टर्स में रहनेवाला 22 वर्षीय विनोद दिनेशभाई राफूचा नामक युवक कबाड़ का धंधा करता था गत शनिवार की सुबह रोज की भांति कबाड़ की फेरी करने घर से निकला था विनोद के शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी रविवार की सुबह विनोद की लाश रैयाधार के शांतिनगर गेट के निकट से बरामद हुई खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई विनोद के सिर पर ठोस पदार्थ से प्रहार कर उसकी हत्या की गई थी मृतक विनोद की माता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया और जांच शुरू कर दी जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर शनिवार को विनोद के साथ एक शख्स जाता दिखाई दिया और उसके बाद वह विनोद की लाश भी निर्जन इलाके में छिपाते हुए कैमरे में कैद हो गया इस खुलासे के बाद जांच में पता चला कि विनोद के साथ दिखने वाला शख्स राधनपुर का निवासी अजय गोविंद देवीपूजक हैं पुलिस ने राधनपुर से अजय देवीपूजक को गिरफ्तार कर लिया और राजकोट लाकर उससे सख्ती से पूछताछ शुरू कर दी पूछताछ में अजय ने बताया कि वह और विनोद गत शनिवार को शराब पी रहे थे उस दौरान विनोद ने अचानक गाली-गलौज शुरू कर दी उसने विनोद से गाली-गलौज नहीं करने को समझाया लेकिन विनोद नहीं माना और गाली-गलौज करता रहा जिससे आवेश में आकर ने उसने निकट पड़े पत्थर से प्रहार कर विनोद की हत्या कर दी और उसका शव शांतिनगर के निर्जन स्थल पर छिपाकर वह राधनपुर भाग गया पुलिस ने अजय के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की

शनिवार को राहुल गांधी आ सकते हैं गुजरात, गिरफ्तार कांग्रेस कार्यकर्ता से मिलने की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के रथयात्रा से एक दिन पहले शनिवार को अहमदाबाद आने की संभावना हैं गुजरात प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने हाल ही में पार्टी मुख्यालय में हुए हमले को लेकर राहुल गांधी से गुजरात आने की अपील की हैं दरअसल गत सोमवार को राहुल गांधी ने लोकसभा में बोलते हुए कहा था कि 'जो खुद को हिन्दू कहते हैं वह हिंसा और नफरत फैलाते हैं' राहुल गांधी के इस बयान के बाद सोमवार की रात अहमदाबाद स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की तस्वीरों पर कालिख पोत दी थी उसी रात कांग्रेस मुख्यालय पर पथराव भी किया मंगलवार की दोपहर भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे उस वक्त भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पथराव हुआ था इस मामले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक शैलेष परमार समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था जिसके बाद कांग्रेस ने वीडियो फूटेज के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की थी लेकिन पुलिस ने जब एफआईआर दर्ज नहीं की तो गुजरात प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने राहुल गांधी को गुजरात आने की अपील की हैं ताकि कार्यकर्ताओं में यह संदेश जाए कि इस लड़ाई में वह अकेले नहीं हैं पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी हैं साथ ही प्रशासन पर भी कांग्रेस की शिकायत दर्ज करने का दबाव बनाया जा सके दूसरी ओर प्रशासन ने राहुल गांधीसेरथयात्रा के बाद आने को कहा हैं 7 जुलाई को अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा है और उस दिन बड़ी संख्या में पुलिस बल उसकी सुरक्षा में तैनात रहेगा इस कारण राहुल गांधी को 6 जुलाई के बजाए रथयात्रा के बाद आने को कहा गया हैं हांलाकि प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व राहुल गांधी से अहमदाबाद आने की अपील कर चुका है और राहुल गांधी की टीम ने स्पष्ट कर दिया है कि वह 6 जुलाई को गुजरात आ रहे हैं सोमवार को राहुल गांधी ने लोकसभा में बोलते हुए कहा था कि 'जो खुद को हिन्दू कहते हैं वह हिंसा और नफरत फैलाते हैं' राहुल गांधी के इस बयान के बाद सोमवार अहमदाबाद कांग्रेस मुख्यालय पर हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी की तस्वीरों पर कालिख पोत दी थी

आम रेल यात्रियों की सुविधाओं पर रेलवे का फोकस: कोच उत्पादन में हुई वृद्धि

रेलवे द्वारा 2024 और 2025 के दौरान 10000 नॉन-एसी कोचों का तेजी से उत्पादन

अहमदाबाद: आम यात्रियों के जीवन को आसान बनाने के लिए भारतीय रेल ने अगले दो वर्षों के लिए लगभग 10,000 नॉन-एसी कोचों के उत्पादन की योजना बनाई है। अधिकारियों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान, लगभग 10000 कोचों का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में 5300 से अधिक जनरल कोच शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में, रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोचों सहित 2605 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोचों सहित 1470 नॉन एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोचों सहित 323 एसएलआर कोच, 32 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 55 पेंट्री कार बनाने की योजना बनाई है।

वित्त वर्ष 2025-26 में रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोच सहित 2710 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोच सहित 1910 नॉन एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोच सहित 514 एसएलआर कोच, 200 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 110 पेंट्री कार बनाने की योजना बनाई है।

रेल सेवा की मांग बदलती रहती है और मौसमी बदलावों, यात्री यातायात में वृद्धि आदि के आधार पर घटती/बढ़ती रहती है।"

राजकोट रेल मंडल द्वारा 18 स्टेशनों और 7 कार्यालय भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र के उपयोग से एक साल में 27.18 लाख रु की बचत

ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए पश्चिम रेलवे का राजकोट मंडल हरित और स्वच्छ रेलवे की दिशा में बड़े कदम बढ़ा रहा है।

राजकोट मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार तथा वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर श्रीमती रजनी यादव के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा प्रदूषण को रोकने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इस दिशा में राजकोट मंडल के विभिन्न 18 रेलवे स्टेशनों और 7 कार्यालय भवनों में 519 किलोवाट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही और अधिक स्टेशनो एवं कार्यालयों पर सौर संयंत्र का प्रावधान किया जा रहा है जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। इसके परिणाम स्वरूप ऊर्जा बिलों में बचत भी हो रही है।

छोटे स्टेशनों पर सौर संयंत्रों से उत्पन्न ऊर्जा का उपयोग स्टेशनों पर बिजली के उपकरणों जैसे लाइटें, पंखे, कंप्यूटर और यहां तक कि सर्कुलेटिंग एरिया में स्ट्रीट लाइटिंग के लिए किया जाता है। प्रमुख स्टेशनों पर, उत्पन्न ऊर्जा बिजली ग्रिड को ट्रांसमिट की जाती है और बिजली बिल मीटर्ड बिलिंग सिस्टम द्वारा प्राप्त किये जाते हैं।

वर्ष 2023-24 में इन सौर संयंत्रों द्वारा 454989 यूनिट (खें) हरित ऊर्जा उत्पन्न की गई है, जिसके परिणाम स्वरूप सौर संयंत्रों द्वारा उत्पन्न ऊर्जा की लागत की तुलना में विद्युत बोर्डों द्वारा आपूर्ति की गई ऊर्जा की प्रति यूनिट लागत में अंतर के कारण ऊर्जा बिल पर 27.18 लाख रुपये की बचत हुई है।

राजकोट मंडल में अमृत भारत कार्य के तहत 15 स्टेशनो पर बिजली विभाग से संबन्धित कार्य प्रगति पर हैं जिसमें मुख्यत्वे प्रकाश तीव्रता में बढ़ोतरी करना, वेटिंग हॉल में वातानुकूलित यंत्र का प्रावधान, लिफ्ट्स का प्रावधान करना इत्यादि कार्य शामील है।

ओखा-वेरावल -ओखा एक्सप्रेस ट्रेनें 8 जुलाई तक परिवर्तित मार्ग से रिशेडयूल समय पर चलेंगी

अहमदाबाद: तकनीकी कारणों के चलते ओखा-वेरावल तथा वेरावल-ओखा एक्सप्रेस ट्रेनें तत्काल प्रभाव से लेकर 8 जुलाई, 2024 तक परिवर्तित मार्ग से रिशेडयूल किए गए समय पर चलेंगी। विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन नं 19252 ओखा-वेरावल एक्सप्रेस तत्काल प्रभाव से लेकर 08.07.2024 तक परिवर्तित मार्ग वाया कानालुस-वांसजालिया-जेतलसर-वेरावल होकर चलेगी। इस अवधि के दौरान यह ट्रेन ओखा से अपने निर्धारित समय से 5 घंटा 45 मिनट विलम्ब से यानि 02.00 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेन नं 19251 वेरावल-ओखा एक्सप्रेस तत्काल प्रभाव से लेकर 08.07.2024 तक परिवर्तित मार्ग वाया जेतलसर-वांसजालिया-कानालुस होकर चलेगी। इस अवधि के दौरान यह ट्रेन वेरावल से अपने निर्धारित समय से 3 घंटा 55 मिनट विलम्ब से यानि 03.00 बजे प्रस्थान करेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indiånrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

इस साल गर्मी के मौसम के सबसे गर्म सप्ताह में एसी नियंत्रण के लिए वॉयस कमांड में 75% की वृद्धि दर्ज हुई: Amazon

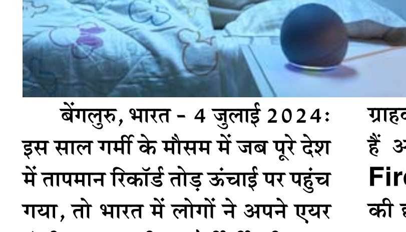

बेंगलुरु, भारत - 4 जुलाई 2024: इस साल गर्मी के मौसम में जब पूरे देश में तापमान रिकॉर्ड तोड़ ऊंचाई पर पहुंच गया, तो भारत में लोगों ने अपने एयर कंडीशनर (एसी) और र्तिर्× की मदद ली। मई के आखिरी सप्ताह में, देश में मार्च 2024 की तुलना में अब तक का सबसे गर्म तापमान दर्ज होने के बीच Amazon ने एसी को नियंत्रित करने के लिए Alexa से अनुरोध में 75ङ की दर्ज की।

ग्राहक लगातार Alexa से एसी चालू करने के लिए कह रहे थे, लेकिन उन्हें बंद करने के अनुरोधों में धीमी वृद्धि यह दर्शाती है कि Alexa के साथ कम्पेटिबल एसी लंबे समय तक चलने में कारगर थे। इसके अलावा, एसी नियंत्रणों के लिएAlexa से ग्राहकों के अनुरोधों में साल-दर-साल 12.5% की वृद्धि हुई है, जैसे, "Alexa, एसी चालू/बंद करोठ, औरAlexa -कम्पेटिबल स्मार्ट पंखों को नियंत्रित करने में साल-दर-साल 33ङ की वृद्धि हुई है, जैसे, Alexa", पंखा चालू/बंद करोठ। भारत में Alexa के ग्राहक भी घर में तापमान को स्वचालित करने के लिएAlexa रूटीन को तेज़ी से अपना रहे हैं।

Amazon India 20 और 21 जुलाई, 2024 को अपने बहुप्रतीक्षित प्राइम डे की पेशकश कर रही है। प्राइम डे के दौरान, ग्राहक स्मार्ट जीवन शैली अपना सकते हैं और Echo स्मार्ट स्पीकर और Fire TV Stick पर 55% तक की छूट पा सकते हैं। यहAlexa के साथ नवीनतम मिं्द स्मार्ट स्पीकर और मिं्द शो स्मार्ट डिस्प्ले को शानदार छूट पर हासिल करने या ईग ऊ‍ एूग्म् पर रोमांचक ऑफर के साथ घर पर मनोरंजन बढ़ाने का एक शानदार अवसर है। ग्राहक amazon.in/smarthome पर Alexa कम्पेटिबल स्मार्ट होम उत्पाद भी देख सकते हैं।

पश्चिम रेलवे - राजकोट मण्डल

FOB के कार्यों का प्रावधान

ई-निविदा अधिसूचना सं. 03, 2024-25 दिनांक: 28/06/2024, ई-निविदा अधिसूचना सं. 03/2025/जीएसयु/आरजेटी (1) कार्य का नाम: अमृत भारत स्टेशन योजना के सम्बन्ध में राजकोट मण्डल के राजकोट एवं जामनगर स्टेशनों अंतर्गत 12 m चौड़ा FOB के कार्यों का प्रावधान । NIT की अनुमानित लागत: ₹ 28,65,25,889.26/-, निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: दिनांक 29/07/2024 को 15:00 बजे, कार्यालय का पता: मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति यूनिट, राजकोट, जंकशन रोड, कोठी कम्पाउन्ड के सामने, राजकोट, गुजरात-360001 वेबसाईट: www.ireps.gov.in RJT-050

हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95